✳Website : www.kalamlok.com✳

वर्ष - 10 अंक - 132

कलम लोक

बक्सर, रविवार 13 सितम्बर 2026

< 7 |

पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.

“ युग निर्माण योजना का आरम्भ दूसरों को उपदेश देने से नहीं, वरन् अपने मन को समझाने से शुरू होगा।

BRICS 2026 NEW DELHI

ब्रिक्स में भारत की कूटनीतिक दहाड़

नई दिल्ली घोषणापत्र में आतंकवाद से टैरिफ युद्ध तक, मोदी ने दुनिया को दिया बड़ा संदेश

▶ पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा | ▶ एकतरफा टैरिफ पर जताई गंभीर चिंता | ▶ आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की अपील | ▶ वैश्विक संस्थाओं में सुधार की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान भारत ने कूटनीति के मोर्चे पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ब्रिक्स देशों ने नई दिल्ली घोषणापत्र को सर्वसम्मति से स्वीकार किया है। घोषणापत्र में आतंकवाद, एकतरफा टैरिफ, वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार, अंतरराष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार के लिए भुगतान व्यवस्था जैसे अहम मुद्दों पर साझा रुख सामने आया। भारत की अध्यक्षता में इस साझा घोषणापत्र का जारी होना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय कूटनीति के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि घोषणापत्र पर अंतिम सहमति के लिए सदस्य देशों के बीच आखिरी समय तक बातचीत चलती रही।

नई दिल्ली घोषणापत्र में ब्रिक्स देशों ने एकतरफा टैरिफ के बढ़ते प्रचलन पर गंभीर चिंता जताई और इसे विश्व व्यापार संगठन के नियमों के खिलाफ बताया। घोषणापत्र में अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ एकतरफा दबाव डालने वाले प्रयासों की भी निंदा की गई। ऐसे समय में जब दुनिया व्यापारिक तनाव और टैरिफ की राजनीति से जूझ रही है, ब्रिक्स के मंच से आया यह साझा संदेश वैश्विक व्यापार व्यवस्था को लेकर सदस्य देशों की चिंता को सामने रखता है।

घोषणापत्र में युद्ध और संघर्षों को रोकने के लिए पहले से अधिक सक्रिय पहल की जरूरत पर जोर दिया गया। ब्रिक्स देशों ने सलाह-मशविरे और कूटनीति के जरिए अंतरराष्ट्रीय विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के अपने संकल्प को दोहराया। साथ ही ऐसे बहुपक्षीय दृष्टिकोण की वकालत की गई, जिसमें बड़े वैश्विक मुद्दों पर अलग-अलग देशों के नजरिए और रुख का सम्मान किया जाए। यह रुख ब्रिक्स को वैश्विक राजनीति में बहुध्रुवीय व्यवस्था की वकालत करने वाले मंच के रूप में मजबूत करता है। ब्रिक्स देशों ने आपसी व्यापार के लिए इस्तेमाल की जाने वाली भुगतान प्रक्रिया का व्यावहारिक समाधान खोजने पर भी जोर दिया। इसका उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक सहयोग को अधिक प्रभावी बनाना है। हालांकि घोषणापत्र के मसौदे पर अंतिम समय तक मतभेद और बातचीत जारी रही। शुरुआत में ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अपना रुख कड़ा किया था। ब्रिक्स आम सहमति के आधार पर काम करने वाला समूह है, इसलिए किसी एक सदस्य देश की असहमति भी संयुक्त घोषणापत्र की राह में बाधा बन सकती है। ऐसे में भारत की अध्यक्षता में सभी देशों को साझा दस्तावेज पर सहमत कराना अपने आप में अहम कूटनीतिक उपलब्धि रही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए वैश्विक संस्थाओं में सुधार की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ‘आज की चर्चा से यह स्पष्ट है कि बदलती दुनिया को पुरानी पड़ चुकी संस्थाओं के जरिए नहीं चलाया जा सकता। प्रतिनिधित्व, जवाबदेही और नियम बनाने की प्रक्रिया में सुधार जरूरी हैं। हमने इस बात पर भी जोर दिया कि ‘ग्लोबल साउथ’ को भविष्य की प्रौद्योगिकियों के विकास और उन्हें संचालित करने वाले नियमों में समान भागीदारी मिलनी चाहिए।’ मोदी का यह बयान वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में विकासशील देशों की भूमिका बढ़ाने की भारत की मांग को स्पष्ट करता है।

भारत के लिए नई दिल्ली घोषणापत्र की सबसे अहम उपलब्धियों में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा भी शामिल रही। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी और कई लोग घायल हुए थे। ब्रिक्स देशों ने आतंकवाद के किसी भी रूप के प्रति शून्य सहनशीलता की बात दोहराई और आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदंडों को खारिज करने की भारत की अपील का समर्थन किया। घोषणापत्र में कहा गया कि ब्रिक्स देश आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। इसमें आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही, आतंकवाद की वित्तीय मदद और सुरक्षित ठिकानों सहित आतंकवाद से जुड़े सभी पहलुओं के खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई। घोषणापत्र में यह भी स्पष्ट किया गया कि आतंकवाद को किसी धर्म, राष्ट्रीयता, सभ्यता या जातीय समूह से नहीं जोड़ा जाना चाहिए तथा आतंकवादी गतिविधियों और उनके समर्थन में शामिल लोगों को संबंधित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।

ब्रिक्स देशों ने कहा कि आतंकवाद से लड़ना देशों की पहली जिम्मेदारी है और आतंकवादी खतरों को रोकने तथा उनका मुकाबला करने के लिए वैश्विक प्रयासों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत दायित्वों का पालन करना चाहिए। घोषणा में कहा गया कि आतंकवाद के किसी भी कृत्य की कड़ी निंदा की जानी चाहिए, चाहे उसका उद्देश्य कुछ भी हो, वह कहीं भी और किसी के द्वारा भी किया गया हो।

शी जिनपिंग बोले- दो दशकों में ब्रिक्स सहयोग तंत्र लगातार बढ़ा

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि करीब दो दशकों में ब्रिक्स सहयोग तंत्र लगातार बढ़ा और फैला है। उन्होंने ब्रिक्स को उभरते बाजारों और विकासशील देशों के बीच सहयोग के लिए दुनिया के सबसे प्रभावशाली मंचों में से एक बताया। शी ने कहा कि इन वर्षों में ब्रिक्स देशों ने अपनी राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुकूल विकास के रास्तों की सक्रिय रूप से पहचान की है। उनके मुताबिक, उभरते बाजारों और विकासशील देशों के बीच एकता के माध्यम से ब्रिक्स देशों ने खुद को मजबूत करने का उदाहरण पेश किया है।

मोदी-जिनपिंग-पुतिन की तस्वीर ने बढ़ाई राजनीतिक हलचल

ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की एक तस्वीर भी चर्चा में रही। तस्वीर में मोदी, पुतिन और जिनपिंग एक साथ नजर आए और तीनों नेता मुस्कुराते हुए दिखाई दिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा करते हुए लिखा, ‘ब्रिक्स समिट 2026 दिल्ली में जारी है।‘ इस तस्वीर की तुलना पिछले साल चीन के तियानजिन में आयोजित एससीओ बैठक की उस तस्वीर से भी की गई, जिसमें मोदी, पुतिन और जिनपिंग एक साथ नजर आए थे।

अमेरिका के टैरिफ दबाव के बीच भारत का संदेश

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हुआ जब वैश्विक स्तर पर व्यापारिक तनाव और टैरिफ का मुद्दा बेहद महत्वपूर्ण बना हुआ है। ऐसे माहौल में ब्रिक्स घोषणापत्र में एकतरफा टैरिफ और दबाव डालने की निंदा को भारत की अध्यक्षता में सामने लाया जाना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे पहले कहा था कि ब्रिक्स दुनिया की करीब 40 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में इस मंच से वैश्विक व्यापार और बहुपक्षीय व्यवस्था को लेकर सामने आया साझा रुख व्यापक महत्व रखता है। भारत की कूटनीतिक सफलता का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि मई में नई दिल्ली में हुई ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान ईरान और इजरायल के बीच मतभेदों के कारण कोई संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका था। इसके बावजूद इस बार सदस्य देशों के बीच सहमति कायम हुई और नई दिल्ली घोषणापत्र सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। यही वजह है कि भारत की अध्यक्षता में इस सम्मेलन को कूटनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

1.10 लाख करोड़ का निवेश...दुबई के शेख ने खोला खजाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान अबू धाबी के क्राउन प्रिंस खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ बैठक की। दोनों नेताओं ने रक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अंतरिक्ष, अहम खनिजों, ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा और कनेक्टिविटी जैसे अहम क्षेत्रों में भारत-यूएई रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने X पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत-यूएई संबंधों में ‘बड़ा बदलाव आया है’ और अब दोनों पक्ष ‘अपनी महत्वाकांक्षाओं को और ऊंचे स्तर पर ले जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा महामहिम शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मिलकर खुशी हुई। रक्षा, AI, अंतरिक्ष, अहम खनिजों, ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा और कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में हमारी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा निवेश के रिश्तों से लेकर रणनीतिक ऊर्जा बुनियादी ढांचे और IMEC कनेक्टिविटी में नई संभावनाओं तक, आगे बहुत बड़ी संभावनाएं हैं।’

दिल्ली के होटल में एयरलाइन कैप्टन की संदिग्ध हालत में मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में स्थित होटल द ग्रैंड में एक एयरलाइन कैप्टन की मौत की घटना सामने आई है. कैप्टन की मौत की परिस्थितियां संदिग्ध बताई जा रही हैं. कैप्टन होटल के कमरे में बेहोशी और बेसुध हालत में मिले थे. उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. मौत की वजह स्पष्ट नहीं हुई है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है. पुलिस के मुताबिक, 11 सितंबर को वसंत कुंज नॉर्थ थाने को PCR कॉल के जरिए होटल द ग्रैंड में ठहरे एक गेस्ट की तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी.

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने बाढ़ पीड़ितों के लिए मांगा स्पेशल पैकेज

पटना (एजेंसी)। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को बिहार में बाढ़ पीड़ितों के लिए एक स्पेशल पैकेज की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राज्य के साथ भेदभाव कर रही है और राज्य का खजाना खाली है। पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा, ‘सरकार को बाढ़ पीड़ितों के लिए एक स्पेशल पैकेज देना चाहिए। केंद्र सरकार बिहार के साथ भेदभाव कर रही है। बिहार का सरकारी खजाना खाली है। उन्होंने आगे कहा कि वह और उनकी पार्टी के कार्यकर्ता लगातार बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं, जहां लोगों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। ‘हम लगातार बाढ़ पीड़ितों के बीच जा रहे हैं और उन्हें कोई सुविधा नहीं मिल रही है... बातचीत में शामिल हों।

आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, 14 ज़िलों के 84 ब्लॉक में 514 पंचायतों के 40 लाख से ज़्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। हालाँकि गंगा और दूसरी बड़ी नदियों के बेसिन में बाढ़ का पानी कम होने लगा है, फिर भी प्रभावित इलाकों में राहत और मेडिकल ऑपरेशन तेज़ कर दिए गए हैं। भागलपुर सबसे ज़्यादा प्रभावित ज़िलों में से एक है।

अब भतीजी दीपिका में उत्तराधिकारी खोज रहीं मायावती? भाई आनंद से कहा-दोनों बेटों को बसपा से दूर रखना

लखनऊ (एजेंसी)। अभी हाल में बसपा प्रमुख मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया था। तीन-चार दिन ही बीते थे कि अब दूसरे भतीजे ईशान को लेकर भी बुआ मायावती ने फैसला सुना दिया है। मायावती की निगाह अब भतीजी दीपिका पर टिक गई हैं। मायावती अपना उत्तराधिकारी अब भतीजी दीपिका में खोज रही हैं। मायावती को इसको लेकर सोशल मीडिया एक्स पर एक भावुक पोस्ट भी किया है। जिसमें बसपा प्रमुख ने भविष्य में भतीजी दीपिका को बसपा में बड़ी जिम्मेदारी देने की बात कहते हुए भाई आनंद से उनके दोनों बेटों को पार्टी से दूर रखने को कहा है। इससे साफ हो गया है कि अब मायावती ने दूसरे भतीजे ईशान को भी बसपा से साइडलाइन कर दिया है।

मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी से मुक्त किए जाने के दो दिन बाद शनिवार को ‘एक्स’ पर एक लंबे और भावुक पोस्ट में अपने फैसले के कारण बताए तथा परिवार से जुड़े भविष्य के राजनीतिक फैसलों को भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि अविवाहित होने के कारण उन्हें अपने सगे भाई-बहनों में से किसी एक और अंततः सबसे छोटे भाई आनंद कुमार को अपने साथ रखने की जरूरत पड़ी।

2017 में आनंद को बनाया गया था राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

बसपा सूत्रों के अनुसार, आनंद कुमार पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। मायावती ने उन्हें 2017 में पहली बार इस पद पर नियुक्त किया था और उस समय यह शर्त रखी थी कि वह कभी सांसद, विधायक, मंत्री या मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। मायावती ने कहा कि आनंद कुमार अपने दोनों बेटों या भविष्य में उनके बच्चों में से किसी को भी अपनी जिम्मेदारी नहीं सौंपेंगे। उन्होंने इसे पार्टी और आंदोलन के हित में समय की जरूरत बताया। चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकीं मायावती ने बसपा संस्थापक कांशीराम का जिक्र करते हुए कहा कि वह परिवारवाद के खिलाफ उनके रुख पर कायम हैं।

सम्राट सरकार का बड़ा फैसला

पेपर लीक रोकने के लिए 29 जिलों में परीक्षा भवन और स्ट्रॉन्ग रूम बनेंगे

पटना (एजेंसी)। बिहार में पेपर लीक और एग्जाम में कदाचार को रोकने के लिए 29 जिलों में परीक्षा भवन और स्ट्रॉन्ग रूम बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस संबंध में बिहार बोर्ड यानी बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) को निर्देश दे दिए हैं। सरकार ने 33 करोड़ के बजट का प्रावधान किया है।

पहले चरण में 12 जिलों में परीक्षा भवन के निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। इनमें सीतामढ़ी, लखीसराय, पूर्वी चंपारण, कैमूर, नालंदा, मधेपुरा जैसे जिले शामिल हैं। अधिकतर परीक्षा भवन और स्ट्रॉन्ग रूम को मौजूदा स्कूलों के परिसर में ही बनाया जाएगा। लगभग एक से डेढ़ एकड़ जमीन पर परीक्षा भवन के साथ स्ट्रॉन्ग रूम का निर्माण किया जाएगा। परीक्षा भवन में छात्र-छात्राओं के कदाचार मुक्त एग्जाम की सभी आधुनिक सुविधाएं होंगी। वहीं, स्ट्रॉन्ग रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच एग्जाम के पेपर और आंसर शीट आदि को रखने की व्यवस्था होगी। सरकार का कहना है कि इससे बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के पेपर एवं अन्य आवश्यक सामग्री के सुरक्षित भंडारण की सुविधा मिलेगी।

मुंबई के जाम में फंसे नितिन गडकरी, बोले- पुराने फ्लाईओवर बन रहे मुसीबत

मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को खुद ही मुंबई के ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ गया. जाम के कारण वह 22वें इंडो-अमेरिकन कॉर्पोरेट एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026 के कार्यक्रम में करीब एक घंटे की देरी से पहुंचे. कार्यक्रम में देरी से पहुंचने के बाद गडकरी ने इसके लिए माफी मांगी. इसके साथ ही उन्होंने मुंबई और दूसरे शहरों में ट्रैफिक की समस्या से निपटने के लिए पुराने फ्लाईओवर की जगह नई तकनीक अपनाने की जरूरत बताई.

गडकरी ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी इस संबंध में सुझाव देने की बात कही. उन्होंने कहा कि पहले बनाए गए कई फ्लाईओवर अब बढ़ते ट्रैफिक के कारण बाधा बन रहे हैं. ऐसे में नई तकनीक की मदद से मल्टी-लेवल फ्लाईओवर बनाने की जरूरत है. गडकरी ने पुणे में करीब 50 हजार करोड़ रुपये की फ्लाईओवर परियोजनाओं का जिक्र करते हुए बताया कि इसके लिए नई तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा. उन्होंने कहा कि इस तकनीक में एक ही पिलर पर अलग-अलग स्तर बनाए जा सकते हैं. गडकरी ने कहा, ‘अब पुणे में हम 50 हजार करोड़ रुपये के फ्लाईओवर बना रहे हैं.

ये सभी पुराने फ्लाईओवर अब बाधा बन रहे हैं. इसलिए मैंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सुझाव दिया है कि हमें नए फ्लाईओवर बनाने होंगे. इसमें पहले, दूसरे और तीसरे स्तर पर फ्लाईओवर होंगे और चौथे स्तर पर उसी पिलर पर मेट्रो चलेगी.’

उन्होंने बताया कि यह तकनीक हाल ही में मलेशिया से मिली है और भारत ने इसे अपनाया है. गडकरी के मुताबिक, बढ़ते शहरी ट्रैफिक को देखते हुए पारंपरिक बुनियादी ढांचे की जगह आधुनिक मल्टी-लेवल व्यवस्था की जरूरत है.

कार्यक्रम में गडकरी ने भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक और तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया. उन्होंने कहा कि दोनों देशों के हितधारकों के बीच सहयोग, समन्वय और संवाद बढ़ाने की जरूरत है और इसमें इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स की भूमिका महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा कि यह पहचानना जरूरी है कि भारत और अमेरिका की ताकत क्या है और किन क्षेत्रों में दोनों देश मिलकर काम कर सकते हैं. भारत के पास बड़ी क्षमता है, जबकि अमेरिका के पास संसाधन और उन्नत तकनीक है. दोनों की ताकत को साथ लाकर ‘विन-विन’ स्थिति बनाई जा सकती है. गडकरी ने ज्ञान, इनोवेशन, उद्यमिता, विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान को भविष्य की आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण बताया. उन्होंने कहा कि भविष्य में ज्ञान को संपत्ति में बदलना जरूरी है. कृषि से लेकर रक्षा तक हर क्षेत्र में तकनीक की जरूरत है. अमेरिका तकनीक के क्षेत्र में दुनिया में अग्रणी है, इसलिए अमेरिकी उद्योगों के साथ सहयोग का यह सही समय है.गडकरी ने भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर की बढ़ती ताकत का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि भारत जापान को पीछे छोड़कर अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बन गया है. उन्होंने कहा कि जब उन्होंने मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली थी, तब भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग का आकार करीब 14 लाख करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 23 लाख करोड़ रुपये हो गया है.

'मैच खेलोगे, तभी मिलेगा सालाना कॉन्ट्रैक्ट’

बीसीसीआई लाने जा रही है नया नियम, खिलाड़ियों की बढ़ेगी मुश्किलें!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड खिलाड़ियों को दिए जाने वाले अपने सालाना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट के नियमों में एक बड़ा बदलाव करने की तैयारी कर रहा है. जिसका असर सीधा खिलाड़ियों पर पड़ने वाला है.

अब तक खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन और सीनियरिटी के आधार पर कॉन्ट्रैक्ट मिलता था. लेकिन अब BCCI ‘मैच के लिए उपलब्धता’ को भी एक अहम शर्त बनाने पर विचार कर रहा है. आसान शब्दों में कहें तो बोर्ड यह देखेगा कि आप खेलने के लिए कितने मैचों में फिट और मौजूद थे. दरअसल, पिछले कुछ महीनों में टीम इंडिया के कई अहम खिलाड़ी लगातार चोटिल हुए हैं. जिस वजह से उन्होंने कई बड़े मैच मिस किए हैं. इसी बात को ध्यान में रखते हुए बोर्ड चाहता है कि खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा मैचों के लिए फिट रहें. BCCI फिलहाल एक ऐसे फॉर्मूले पर चर्चा कर रहा है जिसमें पूरे सीजन में खिलाड़ी की फिटनेस और मौजूदगी पर नजर रखी जाएगी. बोर्ड एक लिमिट तय कर सकता है कि सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पाने के लिए किसी भी खिलाड़ी को कम से कम कितने मैच खेलने के लिए उपलब्ध रहना ही होगा. बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि यह आईडिया अभी बिल्कुल शुरुआती दौर में है. अभी सिर्फ बोर्ड के अंदर इस पर बातचीत चल रही है. यह चेक किया जा रहा है कि ऐसा कोई नियम लागू करना सही और मुमकिन होगा या नहीं. अभी तक कोई भी पक्का फैसला नहीं लिया गया है. हालांकि, अगर यह नियम पास हो जाता है, तो भविष्य में टीम इंडिया के खिलाड़ियों के लिए सिर्फ अच्छा खेलना ही काफी नहीं होगा।

विद्यालय मार्ग की समस्या को लेकर सांसद प्रिया सरोज ने किया स्थलीय निरीक्षण

बारिश के बाद जलजमाव से विद्यार्थियों को हो रही थी परेशानी, लेखपाल-कानूनगो के साथ मौके पर पहुंचीं सांसद

मछलीशहर (संवाददाता)।

मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र के पिंडरा विधानसभा अंतर्गत ग्राम सभा जमापार में प्राथमिक विद्यालय जाने वाले मार्ग पर बारिश के कारण हुए जलजमाव और रास्ते की समस्या का मछलीशहर सांसद प्रिया सरोज ने संज्ञान लिया। विद्यालय जाने वाले बच्चों और स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन में हो रही परेशानी की जानकारी मिलने के बाद सांसद ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का स्थलीय निरीक्षण किया।

सांसद प्रिया सरोज ने मौके पर संबंधित लेखपाल एवं कानूनगो के साथ पहुंचकर विद्यालय जाने वाले मार्ग की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने राजस्व अभिलेख एवं नक्शे में रास्ते से संबंधित दर्ज विवरण की जानकारी ली, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि विद्यालय तक जाने वाले मार्ग को लेकर राजस्व रिकॉर्ड में क्या स्थिति दर्ज है। निरीक्षण के दौरान सांसद ने स्थानीय लोगों से भी समस्या के संबंध में जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दौरान विद्यालय जाने वाले मार्ग पर जलजमाव हो जाने से बच्चों को स्कूल पहुंचने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। रास्ते की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण विद्यार्थियों के साथ-साथ ग्रामीणों के आवागमन में भी परेशानी बनी रहती है।

मौके की स्थिति और राजस्व नक्शे में रास्ते से संबंधित विवरण की जानकारी लेने के बाद सांसद प्रिया सरोज ने इस संबंध में उच्च अधिकारियों से वार्ता की। उन्होंने अधिकारियों के समक्ष विद्यालय आने-जाने वाले बच्चों और ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से रखते हुए रास्ते की समस्या का जल्द से जल्द निस्तारण कराने के लिए आवश्यक पहल की।

सांसद ने कहा कि विद्यालय जाने वाले बच्चों को रास्ते और जलजमाव के कारण किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। बच्चों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन को ध्यान में रखते हुए रास्ते की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मामले में आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्या के शीघ्र निस्तारण की दिशा में प्रभावी कदम उठाने को कहा।

ग्रामीणों को मिली समाधान की उम्मीद

सांसद के स्थलीय निरीक्षण और अधिकारियों से की गई बातचीत के बाद स्थानीय ग्रामीणों और विद्यार्थियों के अभिभावकों में समस्या के जल्द समाधान की उम्मीद जगी है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय मार्ग की समस्या का स्थायी समाधान होने से बच्चों को स्कूल आने-जाने में राहत मिलेगी और बारिश के दौरान होने वाली परेशानियों से भी निजात मिल सकेगी। स्थानीय स्तर पर रास्ते की वास्तविक स्थिति और राजस्व अभिलेखों की जानकारी जुटाए जाने के बाद अब इस मामले में प्रशासनिक स्तर पर आगे की कार्रवाई की उम्मीद है। सांसद प्रिया सरोज की ओर से समस्या को लेकर की गई पहल को ग्रामीणों ने विद्यार्थियों के हित में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

जिला पार्षद पति की हत्या पर बवाल

भीड़ ने आरोपी का घर फूंका, इंस्पेक्टर का फटा सिर, कई पुलिस गाड़ियां डैमेज

सीतामढ़ी (संवाददाता)। बिहार के सीतामढ़ी में शनिवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले जिला परिषद प्रतिनिधि बैद्यनाथ महतो की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। करीब आठ गोलियां लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के विरोध में आक्रोशित भीड़ ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया जिसमें एक इंस्पेक्टर का सिर फट गया। पुलिस की कई गाड़ियों में जमकर तोड़फोड़ की गई। शराब कारोबारी के खिलाफ शिकायत और थाने पर प्रदर्शन के बाद हुई हत्या भड़के लोगों ने एक आरोपी का घर फूंक दिया। पुलिस पर पुलिस पर शराब माफिया से मिलीभगत का आरोप लगा रहे प्रदर्शनकारियों ने एसपी अमित रंजन की एक नहीं सुनी।

बैद्यनाथ महतो जिला परिषद के वार्ड संख्या 13 की सदस्य दिलखुश देवी के पति थे। शनिवार की सुबह वे मॉर्निंग वॉक पर निकले थे तभी बाइक सवार चार बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग करके उन्हें भून दिया। डूमरा थाना क्षेत्र के केथरिया-रामपट्टी चौक के पास पथरिया श्मशान के निकट इस वारदात को अंजाम दिया गया। वारदात के बाद इलाके में तनाव फैल गया। आक्रोशित लोगों ने हत्या के आरोपी बताए जा रहे गांव के ही त्रिभुवन कुशवाहा उर्फ एजाज के घर में आग लगा दी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 12 थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। एसपी और एसडीएम ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया, जिसमें इंस्पेक्टर अनिल राम के सिर में चोट लगी। दो दरोगा को भी ग्रामीणों ने खदेड़ दिया। पुलिस और प्रशासन की टीम स्थिति नियंत्रित करने में जुटी है।

ग्रामीणों के अनुसार, त्रिभुवन कुशवाहा उर्फ एजाज गांव में शराब की सप्लाई करता था। बैद्यनाथ महतो इसका विरोध करते थे और उसे धंधे बंद करने की हिदायत देते थे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शराब धंधे का विरोध करने के कारण ही बैद्यनाथ महतो को निशाना बनाया गया। बताया गया कि 28 अगस्त को भी बैद्यनाथ महतो पर फायरिंग हुई थी। इस मामले में डुमरा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। परिजनों और समर्थकों का आरोप है कि पहली घटना के बाद से उन्हें लगातार धमकियां मिल रही थीं, लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई।

अवैध संबंध में मां-बेटी की हत्या

पूर्णिया में सिर कटी लाश कांड में प्रेमी का कबूलनामा हिला देगा

पूर्णिया (संवाददाता)।

बिहार के पूर्णिया में महिला की सिर कटी लाश बरामदगी मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। महिला के साथ उसकी दो साल की बेटी की भी हत्या की गयी थी। दोनों का हत्यारा कोई और नहीं बल्कि मृतका का शादीशुदा प्रेमी है जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दो बेटियों की मां महिला आरोपी पर पत्नी को छोड़कर शादी के लिए दबाव बना रही थी। आरोपी की निशानदेही पर महिला का कटा हुआ सिर बच्ची की लाश को पुलिस ने बरामद कर लिया है। सच्चाई सामने आने पर इलाके के लोग सन्न रह गए।

बुधवार को कामाख्या स्थान ओपी के कल्याणपुर में झाड़ी में महिला की सिर कटी हुई लाश मिली थी। उसकी पहचान जानकी नगर निवासी के रूप में की गयी थी। एक युवक के साथ संबंध की चर्चा लाश मिलने के वक्त से ही चल रही थी जो उसी गांव का रहने वाला है। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। छापेमारी कर पुलिस ने उसे दबोच लिया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार मो. मोफिल ने जो खुलासा किया उसे जानकर पुलिस भी दंग रह गई क्योंकि उसने महिला की हत्या के दौरान हैवानियत की हद पार कर दी।

मामले की जानकारी देते हुए सदर वन एसडीपीओ अभिनव पराशर ने बताया कि घटना के दिन केवल महिला की ही हत्या नहीं हुई, बल्कि उसकी दो साल की बच्ची की भी बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। हालांकि, पुलिस की सक्रियता से महिला की बड़ी बेटी को बरामद कर लिया गया है। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल लिया है। उसने पुलिस के समक्ष कबूला है कि महिला उस पर शादी का दबाव बना रही थी। वह पहले से शादीशुदा है और महिला से शादी नहीं करना चाहता था। उससे जान छुड़ाने के लिए उसने महिला की चाकू गोदकर हत्या कर दी। उसने उसकी छोटी बेटी को भी गला दबाकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बच्ची की सड़ी- गली लाश बरामद कर ली है। मामले में मृतक महिला के ससुर ने मरंगा थाना में केस दर्ज कराया है।

एसडीपीओ ने बताया कि मृतका पति पंजाब में रहकर मजदूरी करता था। वह कभी कभी घर आता था। महिला अपने मायके में आकर रहती थी। आरोपी मो. मोफिल के साथ वह रिलेशन में आ गई थी। आरोपी आधार कार्ड बनाने का काम करता था। इसी क्रम में दोनों की पहचान हुई थी। वह महिला से शादी करना नहीं चाहता था। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

एमएलसी चुनाव से पहले आरजेडी में खटपट

तेजस्वी की लिस्ट पर रोहिणी बोलीं- लालूवाद पर गहरा आघात

पटना (संवाददाता)। बिहार की आठ विधान परिषद सीटों पर चुनाव की सरगर्मी बढ़ने के साथ सियासी नुक्ताचीनी भी तेज हो गई है। छह सीटों पर उम्मीदवारों की लिस्ट पर लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल(राजद) में अंदर से खटपट शुरू हो गयी है। सिंगापुर से बिहार की सियासत पर पैनी निगाह रखने वाले लालू की बेटी रोहिणी आचार्या ने तेजस्वी यादव की कैंडिडेट लिस्ट पर सवाल उठा दिया है। उन्होंने कहा है कि पार्टी के निष्ठावान और लालूवाद में विश्वास रखने वाले कार्यकर्ताओं की जगह अवसरवादियों को तरजीह दी गई है।

सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट डालकर रोहिणी आचार्या ने टिकट फाइनल करने को लेकर तेजस्वी यादव के फैसले पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। उन्होंने कहा है कि वैचारिक निष्ठा और लंबे संघर्ष को दरकिनार कर ऐन चुनाव (विधान परिषद चुनाव) से पहले आए अवसरवादी चेहरों को प्राथमिकता देना समर्पित नेताओं - कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों का घोर अनादर है। दशकों तक लाठियां खाकर पार्टी और संगठन को सींचने वाले नेताओं को दरकिनार करना राजद के आंतरिक लोकतंत्र और जमीनी कैडर के प्रति उदासीनता को दर्शाता है। यह निर्णय न केवल निष्ठावान लालूवादियों के साथ वादाखिलाफी है, बल्कि लालू जी की विचारधारा, पार्टी के मूल सिद्धांतों और संगठन की मजबूती पर भी गहरा आघात है।

एमएलसी चुनाव के 6 सीटों के लिए आरजेडी ने कैंडिडेट के नामों का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने 11 सितंबर को इसकी जानकारी सार्वजनिक कर दी। जिन छह सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया उनमें पटना शिक्षक सीट से डॉ. संजीव कुमार सिंह, पटना स्नातक से दिलीप कुमार, कोसी स्नातक से नितेश कुमार, दरभंगा स्नातक से अनिल कुमार झा, सारण शिक्षक से प्रो. जयराम यादव और तिरहुत स्नातक से डॉ. रश्मि विनायक गौतम को उम्मीदवार बनाया गया है। दो सीटों के लिए राजद उम्मीदवारों के नाम की घोषणा अभी नहीं की गई है। उससे पहले रोहिणी आचार्या की ट्वीट से सियासी खलबली का माहौल बन गया है। रोहिणी आचार्या की इस ट्वीट से राजद और लालू परिवार का मतभेद फिर सतह पर आ गया है। रोहिणी आचार्या पहले भी पार्टी के फैसलों पर सवाल उठाती रही हैं। माना जाता है कि राजद में बड़े फैसले कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर तेजस्वी यादव लेते हैं और लालू यादव से मुहर लगवाई जाती है। जून में विधान परिषद चुनाव के दौरान भी कैंडिडेट के चयन पर रोहिणी आचार्या ने नाराजगी जताई थी। 2025 विधानसभा चुनाव में पार्टी की करारी हार के जिम्मेदारों को सामने लाने की मांग पर उनकी भाई से दूरी हो गई। वे अचानक रोते हुए राबड़ी देवी आवास से निकलीं और सिंगापुर चली गईं। रोहिणी तेजस्वी यादव के बेटे की जन्मदिन की पार्टी में भी नहीं आईं।

इन सीटों पर मौजूदा एमएलसी का कार्यकाल पूरा हो रहा

इसी साल नवम्बर माह में इन आठ विधान पार्षदों का कार्यकाल पूर्ण होने वाला है। इनमें पटना शिक्षक से बीजेपी के नवल किशोर यादव, दरभंगा शिक्षक सीट से कांग्रेस के मदन मोहन झा, सारण शिक्षक सीट से निर्दलीय अफाक अहमद, तिरहुत शिक्षक सीट से सीपीआई के संजय कुमार सिंह, पटना स्नातक सीट सीट से जदयू के नीरज कुमार, तिरहुत स्नातक सीट से निर्दलीय वंशीधर ब्रजवासी, दरभंगा स्नातक से निर्दलीय सर्वेश कुमार, कोसी स्नातक से बीजेपी के एनके यादव शामिल हैं।

बखरी स्टेशन रोड पर सजा गणपति बप्पा का भव्य दरबार

बखरी (संवाददाता)। बेगूसराय जिले के बखरी स्थित स्टेशन रोड में गणपति बप्पा का भव्य दरबार सज गया है। यहां पिछले 33 वर्षों से लगातार भव्य तरीके से गणेश उत्सव मनाया जाता है। इस वर्ष भी गणेश उत्सव को लेकर आयोजन स्थल को आकर्षक तरीके से सजाया गया है। गणपति बप्पा के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिल रहा है।

बखरी स्टेशन रोड में गणेश उत्सव का आयोजन लंबे समय से श्रद्धा और भव्यता के साथ किया जाता रहा है। लगातार 33 वर्षों से मनाए जा रहे इस उत्सव ने क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। हर वर्ष की तरह इस बार भी गणपति बप्पा का दरबार सजाया गया है। गणेश उत्सव को लेकर स्टेशन रोड पर विशेष तैयारियां की गई हैं। गणपति बप्पा की स्थापना के साथ ही पूरा आयोजन स्थल भक्तिमय वातावरण में बदल गया है। श्रद्धालुओं के बीच गणपति के दर्शन और पूजा-अर्चना को लेकर खास उत्साह है।

गणेश उत्सव के साथ आयोजित होने वाले तीन दिवसीय मेले को लेकर भी तैयारियां तेजी से चल रही हैं। आयोजन को भव्य रूप देने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

बीपीएससी से चयनित इन अफसरों का 19 साल से ठौर-ठिकाना नहीं

बीडीओ के दफ्तर में खोजते रहते हैं कुर्सी

पटना (संवाददाता)। बिहार में एक विभाग ऐसा भी है जिसके अफसरों को लगभग 19 साल से स्थायी ठौर-ठिकाना नहीं मिल पाया है। एक अदद से उन्हें दफ्तर, कुर्सी, स्टाफ और वाहन की सुविधा नहीं मिली हैं। साल 2007 में बिहार सरकार ने एससी-एसटी कल्याण विभाग का अलग से गठन किया था। दलित और आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए काम करने वाले अफसरों की ही सरकार ने 19 साल में कोई सुध नहीं ली है। बिहार के 534 प्रखंडों में तैनात कल्याण पदाधिकारियों को कभी बीडीओ, तो कभी प्रखंड पंचायतीराज पदाधिकारी के चैंबर में बैठने की जगह खोजती रहनी पड़ती है। प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों की नियुक्ति बिहार लोक सेवा आयोग के जरिए होती है।

बिहार में अभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी के कुल 517 पद स्वीकृत हैं। इनमें 138 प्रखंड कल्याण पदाधिकारी दो साल के ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल हैं। वहीं, 17 प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों के पद खाली हैं।

शेष प्रखंडों में कार्यरत 362 पदाधिकारियों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। प्रखंड कार्यालय में बीडीओ, प्रखंड पंचायतीराज पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारियों और यहां तक कि कर्मचारियों के लिए कार्यालय बना हुआ है। मगर प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को कोई स्थायी कार्यालय या जगह नहीं मिली हुई है। ऐसे में उन्हें दूसरे अफसरों और कर्मचारियों के कमरों में बैठकर किसी तरह ड्यूटी करनी पड़ती है। किशनगंज में तैनात कल्याण पदाधिकारी नमिता कहती हैं कि महिला अफसरों को इससे सबसे ज्यादा परेशानी होती है। कई बार बीडीओ के चैंबर में बैठक के बीच उनके टॉयलेट का इस्तेमाल करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि दूसरे पदाधिकारी के कमरे में कोई कितनी देर तक बैठ सकता है? काम में लापरवाही को लेकर हर समय कार्रवाई का डर बना रहता है।

उनका कहना है कि दलितों की बस्ती में अगलगी हो या विकास मित्र के कार्यों का निरीक्षण करना हो, प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों को कोई अतिरिक्त भत्ता या साधन नहीं मिलता है।

मंत्री बोले- जल्द समाधान होगा

विभाग के मंत्री लखेंद्र कुमार रौशन का कहना है कि एससी-एसटी कल्याण सेवा संवर्ग के पदाधिकारियों की कठिनाइयों के बारे में उन्हें जानकारी है। विकास मित्र और प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों ने मिल कर जमीनी स्तर पर योजनाओं को पहुंचाया है। उनकी समस्याओं का समाधान जल्द किया जाएगा।

तकिया फ्लाईओवर का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

सासाराम (संवाददाता)। सासाराम स्थित तकिया फ्लाईओवर का जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने रेलवे अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने फ्लाईओवर की मौजूदा स्थिति का जायजा लेने के साथ आसपास की यातायात व्यवस्था की भी समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने रेलवे अधिकारियों के साथ फ्लाईओवर से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी ली। अधिकारियों ने मौके पर स्थिति का अवलोकन किया और फ्लाईओवर के आसपास यातायात के संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की।

तकिया फ्लाईओवर सासाराम में यातायात व्यवस्था के लिहाज से महत्वपूर्ण स्थान है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यह देखा कि फ्लाईओवर और इसके आसपास वाहनों की आवाजाही किस तरह संचालित हो रही है।

छात्र नेता दिलीप कुमार दरभंगा से एमएलसी चुनाव लड़ेंगे, पटना सीट से राजद के टिकट पर दूर की कंफ्यूजन

पटना (संवाददाता)। बिहार के चर्चित छात्र नेता दिलीप कुमार ने आगामी विधान परिषद चुनाव में दरभंगा स्नातक एमएलसी सीट से चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। वह निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर एमएलसी चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने तेजस्वी यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के टिकट से हुई कंफ्यूजन को भी दूर कर दिया है। दरअसल, राजद ने पटना स्नातक सीट से भी दिलीप कुमार नाम के कैंडिडेट को टिकट दिया है। छात्र नेता दिलीप ने कहा कि राजद ने जिन्हें उम्मीदवार बनाया है, वो मैं नहीं हूं। वह खुद दरभंगा से चुनाव लड़ने जा रहे हैं।

बिहार विधान परिषद की 8 सीटों पर जल्द ही चुनाव की घोषणा होने वाली है। इनमें शिक्षक और स्नातक कोटे की 4-4 सीटें हैं। इन एमएलसी सीटों पर सीधे मतदान के जरिए चुनाव होंगे। दरभंगा स्नातक सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने जा रहे दिलीप कुमार चर्चित छात्र नेता हैं। वह बिहार की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थियों की आवाज मुखर रूप से उठाते रहे हैं। साल 2024 में बीपीएससी आंदोलन से वे चर्चा में आए थे। पटना में कई बार वह अभ्यर्थियों के साथ धरना-प्रदर्शन कर चुके हैं। इसके चलते उन्हें जेल की हवा भी खानी पड़ी।

चौथे चरण की शिक्षक बहाली भर्ती परीक्षा (बीपीएससी टीआरई-4) के नोटिफिकेशन में देरी और अन्य मुद्दों को लेकर पटना में कई बार उनके नेतृत्व में प्रदर्शन हो चुके हैं। मई 2026 में पुलिस ने उन्हें प्रदर्शन से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पिछले दिनों विभिन्न परीक्षाओं को लेकर हुए आंदोलन में वह अभ्यर्थियों के साथ पटना के गर्दनीबाग में कई दिनों तक डटे रहे थे। बाद में सरकार ने छात्रों की अधिकतर मांगें मान ली।

दिलीप कुमार ने साल 2025 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में भी किस्मत आजमाई थी। उन्होंने दरभंगा जिले की बहादुरपुर विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ा था। हालांकि, उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा और उनकी जमानत भी जब्त हो गई।

दिलीप को विधानसभा चुनाव में महज 1778 वोट मिले थे। विधानसभा चुनाव हारने के बाद उन्होंने एमएलसी चुनाव की तैयारी शुरू कर दी। दिसंबर 2025 में ही दिलीप कुमार ने 2026 के अंत में होने वाले विधान परिषद का चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर कर दी थी। उनका कहना है कि वह युवाओं की आवाज सड़क पर तो उठाते ही हैं, चुनाव जीतने के बाद वह सदन के अंदर मजबूती से उनके मुद्दे रख सकेंगे।

दरभंगा में शिक्षक सीट पर कड़ा मुकाबला!

दरभंगा स्नातक सीट पर इस बार महामुकाबला होने की संभावना है। इस सीट से अभी सर्वेश कुमार एमएलसी हैं। उन्होंने 2020 में निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव जीता था। हालांकि, वह एनडीए के हिमायती माने जाते हैं। इस बार भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर वे दोबारा मैदान में उतर सकते हैं। दूसरी ओर, महागठबंधन से राजद ने अनिल कुमार झा को टिकट दे दिया है। छात्र नेता दिलीप कुमार निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर ही चुके हैं, उनकी युवाओं पर अच्छी पकड़ है। इसके अलावा, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी भी इस सीट पर जल्द ही कैंडिडेट की घोषणा करेगी। ऐसे में, दरभंगा स्नातक सीट पर चतुष्कोणीय मुकाबला होने की पूरी संभावना नजर आ रही है। दरभंगा स्नातक सीट के लिए बेगूसराय, मधुबनी, दरभंगा और समस्तीपुर जिले के ग्रेजुएट मतदाता वोट डालेंगे। एमएलसी चुनाव की वोटर लिस्ट अलग से बनाई जाती है।

समाजसेवी की हत्या पर सड़क पर बवाल, आगजनी; ड्रग्स का विरोध जानलेवा हुआ

पटना (संवाददाता)।

बिहार के भोजपुर में एक समाजसेवी युवक की गोली मारकर की गयी हत्या के बाद बवाल हो गया। शनिवार को आक्रोशित लोगों ने आरा-सासाराम मुख्य सड़क को शव के साथ जाम कर दिया। हत्यारे की गिरफ्तारी के लिए आक्रोशित लोगों ने सड़क आग जलाकर घंटों तक आवाजाही को बाधित रखा। मृतक मो.जफी को शुक्रवार की शाम गोली मार दी गयी थी। इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। मरने की खबर मिलने शुक्रवार को इलाके के लोग आक्रोशित हो गए। घटना चरपोखरी थाना इलाके के गड़हनी बाजार की है। की पहचान इस्लामगंज निवासी स्व0 मो0 इस्लाम का पुत्र मो जफी उम्र 45 वर्ष है। ग्रामीण के अनुसार जख्मी युवक का इलाज आरा के एक निजी अस्पताल में कराया जा रहा था ।

बताया जाता है कि मो जफी इलाके में गांजा, चरस, हेरोइन, स्मैक जैसे सूखे नशे के कारोबार और इस्तेमाल के खिलाफ अभियान चलाता था। दो दिन पहले सुखा नशा पर रोक और पाबंदी लगाने को लेकर चरपोखरी पुलिस और ग्रामीण के बीच बैठक हुई थी, जिसमें मोहम्मद जफी ने ना सिर्फ आवाज उठाई थी बल्कि, नशा करने और धंधा करने वालों की पहचान भी उजागर किया था। माना जा रहा है कि इसी वहज से उसकी हत्या कर दी गयी।

कुछ दिन पहले भी दिन दहाड़े हथियार बंद अपराधियों ने गड़हनी बजार में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी थी। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए उस समय भी सड़क जाम और प्रदर्शन किया गया लेकिन, कोई कार्रवाई सामने नहीं आई। उस घटना के दस दिन बाद यह दुसरी घटना है जिसमें मो.जफी को गोली मारी गयी। बदमाशों ने घर में घुसकर जफी को गोली मारी थी। ऐसे में गड़हनी में आपराधिक घटना पर अंकुश लगाना पुलिस के लिए चुनौती बन गई है। हालांकि, लोगों का आरोप है कि पुलिस नशेड़ी और कारोबारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करती है।

जफी की मौत के बाद आरोपित की तत्काल गिरफ्तारी को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने आरा सासाराम स्टेट हाइवे को गड़हनी बजार पर अहले सुबह जाम कर दिया जिसमें भारी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं। चरपोखरी व गड़हनी पुलिस मौके पर पहुंच कर लोगों को समझाने बुझाने में जुटी रही पर लोग मानने को तैयार नहीं हुए। स्थानीय लोग एसपी को बुलाने की मांग पर अड़े रहे।

मो जफी का इलाज कर रहे सर्जन चिकित्सक विकास सिंह ने बताया कि गोली उसके बाईं बांह और पेट की नाभि में लगी थी जो पेट के निचले हिस्से में फंस गई। गोली लगने के कारण उसका खून काफी बह गया। उसकी स्थिति गंभीर थी। रात में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना ने गलत कार्यों के खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश पर पुलिस की संवेदनहीनता को उजागर कर दिया है।

बाढ़ ने खोली पोल

जहां बनना है सुल्तानगंज एयरपोर्ट और विक्रमशिला टाउनशिप, वो जमीन डूब गई

भागलपुर (संवाददाता)। बिहार के भागलपुर जिले में आई भयावह बाढ़ ने सरकार को चिंता में डाल दिया है। जिस जगह सुल्तानगंज एयरपोर्ट और विक्रमशिला सैटेलाइट टाउनशिप बनाई जानी है, वो पानी में डूब गई है। भागलपुर और आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ के रौद्र रूप ने प्रॉपर्टी बाजार और अवैध प्लॉटिंग के धंधे की कमर तोड़ दी है। नाथनगर, सबौर, गोराडीह, शाहकुंड और सुल्तानगंज जैसे तेजी से विकसित हो रहे इलाकों में आई बाढ़ की डरावनी तस्वीरों ने जमीन खरीदारों और बड़े निवेशकों के होश उड़ा दिए हैं।

लाखों-करोड़ों रुपये की जिन जमीनों को 'प्राइम लोकेशन' बताकर बेचा जा रहा था, आज वे कई फीट पानी में डूबी हुई हैं। इस जमीनी हकीकत के सामने आने से अरबों रुपये का प्रॉपर्टी कारोबार पूरी तरह डंप होने के कगार पर पहुंच गया है। सबसे दुखद तस्वीर सुल्तानगंज में प्रस्तावित अजगैवीनाथ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के निर्माण स्थल पर आई बाढ़ को लेकर है। जिस जमीन को एयरपोर्ट के लायक बताया गया, वहां पानी आ गया है। अब ऐसे में उस जमीन पर अरबों रुपये के इस प्रस्ताव पर केंद्र सरकार का सिविल एविएशन मंत्रालय कितना भरोसा कर पाएगा, यह बड़ी बात है।

जानकारों ने बताया कि बाढ़ के इस भयावह नजारे ने निवेशकों के भरोसे को तगड़ा झटका दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही जलजमाव की तस्वीरों को देखकर बाहरी और स्थानीय खरीदार अब इन क्षेत्रों में पैसा लगाने से साफ कतरा रहे हैं। जिन लोगों ने टोकन मनी या एडवांस दे दिया था, वे भी अब सौदे रद्द कर अपना पैसा वापस मांग रहे हैं। यदि निवेशक इसी तरह मुकरते रहे, तो बिल्डरों और भू-माफियाओं का पूरा गणित बिगड़ जाएगा और बाजार में भारी मंदी आ जाएगी।

बिना प्लानिंग के हो रही प्लॉटिंग : दरअसल, बाढ़ ग्रसित क्षेत्र की जमीन ने भू-कारोबारियों के दावों की भी पोल खोल दी है। बिना किसी टाउन प्लानिंग, ऊंचे बेसमेंट या ड्रेनेज (जल निकासी) व्यवस्था के धड़ल्ले से की जा रही प्लॉटिंग अब बिल्डरों के लिए गले की हड्डी बन गई है। इस मामले में एक अधिकारी ने बताया कि अभी प्राधिकरण का गठन होना शेष है। प्राधिकरण की बैठक में इस मुद्दे को गंभीरता से सदस्यों को उठाना चाहिए। ताकि भविष्य की समस्याओं का समाधान समय रहते किया जा सके।

पटना से नीरज ही लड़ेंगे, अनंत सिंह नहीं माने? एमएलसी चुनाव में जदयू से किस-किस का टिकट फाइनल

पटना (संवाददाता)। बिहार विधान परिषद की 8 सीटों पर होने वाले एमएलसी चुनाव में पूर्व सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड में संभावित उम्मीदवारों पर मंथन जारी है। बताया जा रहा है कि दो सीटों पर पार्टी ने टिकट करीब-करीब फाइनल कर दिए हैं। हालांकि, औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। पटना स्नातक सीट से मौजूदा एमएलसी एवं पार्टी के प्रवक्ता नीरज कुमार को टिकट मिलना लगभग तय माना जा रहा है। खास बात यह है कि मोकामा से जदयू के बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने नीरज के खिलाफ बगावती तेवर अपनाते हुए इस सीट से दावेदार अनुज सिंह को समर्थन दे दिया है। पार्टी ने अनंत और नीरज के बीच सुलह की कोशिश की, लेकिन वो नाकाम रही। अगर अनुज पटना स्नातक सीट से निर्दलीय लड़े, तो अनंत सिंह का क्या स्टैंड रहेगा यह देखना दिलचस्प होगा।

पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, तिरहुत स्नातक सीट से अभिषेक झा का नाम भी लगभग फाइनल माना जा रहा है। अभिषेक बहुत दिन पहले ही खुद को सार्वजनिक रूप से तिरहुत से जदयू प्रत्याशी घोषित कर चुके हैं। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में घूमकर जनसंपर्क भी शुरू कर दिया है। हालांकि, पार्टी की ओर से उनके नाम का औपचारिक ऐलान बाकी है।

दरभंगा शिक्षक सीट पर उम्मीदवारों का मंथन जारी है। पूर्व एमएलसी दिलीप चौधरी के नाम की चर्चा जोरों पर है। सूत्रों के अनुसार, दिलीप कुमार पहले दरभंगा स्नातक सीट पर दावेदारी कर रहे थे। मगर, उस सीट पर सहयोगी दल भारतीय जनता पार्टी से समर्थित मौजूदा एमएलसी सर्वेश कुमार भी एनडीए के संभावित उम्मीदवार हैं। ऐसे में जदयू के वरीय नेताओं ने दिलीप चौधरी को शिक्षक कोटे की सीट से चुनाव लड़ने का सुझाव दिया है। हालांकि, पार्टी अन्य संभावित नामों पर भी विचार कर रही है। बिहार विधान परिषद की शिक्षक और स्नातक कोटे की 8 सीटों का कार्यकाल नवंबर 2026 में खत्म हो रहा है। इनके चुनाव की घोषणा जल्द होने वाली है। सत्ताधारी गठबंधन में जदयू 8 में से 4 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार सकती है।

सारण से आनंद पुष्कर हो सकते हैं जदयू उम्मीदवार

जदयू में सारण शिक्षक एमएलसी सीट से आनंद पुष्कर के नाम की चर्चा चल रही है। वह दिवंगत शिक्षक नेता एवं पूर्व एमएलसी केदार पांडेय के बेटे हैं। केदार पांडेय साल 2002 से 2020 तक वाम दल लगातार 4 बार सीपीआई के एमएलसी रहे। उनके निधन के बाद साल 2023 में उपचुनाव हुआ था, जिसमें केदार के बेटे आनंद पुष्कर को जन सुराज समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी आफाक अहमद ने जीत दर्ज की थी। आनंद पुष्कर अब जदयू से एमएलसी टिकट की दावेदारी कर रहे हैं।

10 मिनट में मरीज को अस्पताल पहुंचाएगी एंबुलेंस, पटना में ट्रैफिक जाम खत्म करने को एआई संभालेगा कमान

पटना (संवाददाता)। बिहार की राजधानी पटना के लोगों को जल्द ही ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलने वाली है। पटना शहर को जाम से मुक्त बनाने और यातायात व्यवस्था को सुगम करने के लिए शनिवार को एक अहम बैठक हुई। इसमें परिवहन विभाग के आला अधिकारियों के अलावा विशेषज्ञ शामिल हुए। बैठक में तय हुआ कि पटना में ट्रैफिक को सुव्यवस्थित करने के लिए एक तकनीकी कंट्रोल सिस्टम लागू किया जाएगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर यातायात को मैनेज किया जाएगा। इमरजेंसी के समय ग्रीन कॉरिडोर के जरिए 10 मिनट में एंबुलेंस को अस्पताल तक पहुंचाया जाएगा।

विभागीय सचिव पंकज कुमार पाल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में आंकड़ों के आधार पर पटना शहर की भौगोलिक संरचना, बढ़ती आबादी, वाहनों का दबाव, अतिक्रमण, ट्रैफिक नियम, ट्रैफिक मैनेजमेंट की प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा की गई। शहर के प्रमुख इलाकों जैसे डाक बंगला, पटना रेलवे स्टेशन रोड, जीपीओ गोलंबर, एग्जीबिशन रोड, बोरिंग रोड, गांधी मैदान, पीएमसीएच, अशोक राजपथ, सगुना मोड़, अनीसाबाद और बेली रोड पर आए दिन लगने वाले जाम पर गहन मंथन हुआ। इसके अलावा, सड़क हादसों पर भी गंभीरता से चर्चा की गई।

बैठक में एआई, डेटा एनालिटिक्स और एकीकृत प्लेटफॉर्म के जरिए ट्रैफिक की समस्याओं के स्थायी समाधान लागू करने पर जोर दिया गया। इसमें पटना के एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के मौजूदा बुनियादी ढांचे का अधिकतम फायदा उठाते हुए एक इंटेलिजेंस लेयर लागू करने का प्रस्ताव रखा गया।

इसके अलावा, सड़क किनारे पर अनाधिकृत पार्किंग पर रोक लगाने और अनधिकृत पार्किंग को चिह्नित कर रोड की प्रभावी चौड़ाई सुनिश्चित की जाएगी। बारिश और जलजमाव के दौरान प्रभावित मार्गों की एडवांस में सूचना देकर ट्रैफिक को वैकल्पिक मार्गों की तरफ मोड़ दिया जाएगा। ताकि आपातकालीन सेवाएं प्रभावित ना हो। बैठक में सीआरआरआई के पूर्व निदेशक और आईआईटी बॉम्बे के पूर्व प्रो. पीके सिकदर और आर्केडिस आईबीआई ग्रुप के इंडिया ऑपरेशंस के कंट्री हेड वेंकटा चुंदुरू मौजूद रहे। पटना शहर के लिए ट्रैफिक मैनेजमेंट और समाधानों पर प्रो. पीके सिकदर और श्री वेंकटा चुंदुरू ने के आर्केडिस से तैयार तकनीकी ड्राफ्ट का प्रस्तुतीकरण किया। इस दौरान बीएसआरडीसीएल के प्रबंध निदेशक, पटना नगर आयुक्त, ट्रैफिक पुलिस अधीक्षक, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, जिला प्रशासन, यातायात पुलिस एवं वरीय अधिकारी मौजूद रहे।

10 मिनट में घायल अस्पताल पहुंचेगा

पटना में ऐसा सिस्टम लागू किया जाएगा, जो सड़क हादसे की एआई से ऑटोमैटिक पहचान कर लेगा। फिर निकटतम एंबुलेंस को अलर्ट भेज दिया जाएगा। घायल को अस्पताल पहुंचाने के लिए तुरंत ग्रीन कॉरिडोर सुझाय जाएगा, ताकि मरीज को अधिकतम 10 मिनट में अस्पताल पहुंचा दिया जाए।

ट्रैफिक लोड का पूर्वानुमान बताएगा एआई, जाम से पहले ही डायवर्ट होंगी गाड़ियां

साथ ही चर्चा हुई कि एआई-संचालित मॉडल के माध्यम से 30-40 मिनट पहले ही संभावित ट्रैफिक जाम का पूर्वानुमान लगाकर सिग्नल और डायवर्जन को स्वचालित रूप से लागू किया जाए। इसके अलावा, ई-रिक्शा और ऑटो के लिए जियोफेंसिंग, वर्चुअल स्टैंड और शेड्यूलिंग हो। स्टेशन, प्रमुख जगहों और बाजारों में अनियंत्रित ठहराव को नियंत्रित किया जाए। मेट्रो स्टेशनों के आसपास होने वाली भीड़ और ड्रॉप-ऑफ को सुचारू रूप से मैनेज किया जाए। ट्रैफिक नियंत्रण के लिए तैनात जवानों का अटेंडेंस मॉनीटरिंग सिस्टम लागू हो।

एनपीएस चकचनरपत में रेल-सड़क सुरक्षा का पाठ

बेगूसराय (संवाददाता)। बेगूसराय जिले के बखरी स्थित एनपीएस चकचनरपत में शनिवार को रेल सह सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बच्चों को रेल और सड़क पर सुरक्षित रहने के लिए जरूरी नियमों और सावधानियों के बारे में जानकारी दी गई।

जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को रेल एवं सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के प्रति सचेत करना रहा। इस दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न माध्यमों से सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई और उन्हें रोजमर्रा की आवाजाही के दौरान सावधानी बरतने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को यह समझाने का प्रयास किया गया कि रेल और सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर स्थिति पैदा कर सकती है। इसलिए सुरक्षा नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है।

कार्यक्रम के दौरान रेल सुरक्षा से संबंधित जरूरी बातों को भी बच्चों के सामने रखा गया। विद्यार्थियों को रेल क्षेत्र में सुरक्षित व्यवहार करने और किसी भी जोखिम भरी गतिविधि से बचने के लिए जागरूक किया गया। बच्चों को सुरक्षा नियमों को गंभीरता से अपनाने की आवश्यकता बताई गई। रेल सुरक्षा के साथ सड़क सुरक्षा को भी जागरूकता कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया। बच्चों को सड़क पर आवागमन के दौरान सतर्क रहने तथा सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में सुरक्षित यातायात व्यवहार विकसित करने पर जोर दिया गया। ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों को कम उम्र से ही सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार बनाना है। विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम के जरिए विद्यार्थियों को रेल और सड़क से जुड़े संभावित खतरों के प्रति जागरूक किया गया।

बोरे के नीचे छिपा था नशे का बड़ा जखीरा!

श्रीकरपुर चेक पोस्ट पर ट्रक से 28,500 कोडीन कफ सिरप बरामद

सीवान (संवाददाता)। सीवान जिले के गुठनी थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में कोडीन कफ सिरप बरामद किया है। श्रीकरपुर चेक पोस्ट पर जांच के दौरान चोकर लदे एक ट्रक से 28,500 कोडीन कफ सिरप बरामद की गई। पुलिस की कार्रवाई के दौरान ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, श्रीकरपुर चेक पोस्ट पर पुलिस की ओर से वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान चोकर लदे एक ट्रक को जांच के लिए रोका गया। पुलिस की कार्रवाई शुरू होते ही चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने ट्रक की तलाशी ली। जांच के दौरान चोकर के बीच छिपाकर रखी गई कफ सिरप की खेप सामने आई। पुलिस ने ट्रक से कुल 190 पेटियां बरामद कीं, जिनमें 28,500 कोडीन कफ सिरप बताई गई हैं।

पुलिस की कार्रवाई में बरामद कफ सिरप की मात्रा काफी अधिक बताई गई है। कुल 190 पेटियों में 28,500 कोडीन कफ सिरप बरामद की गई। बरामदगी के बाद पुलिस ने ट्रक और उसमें रखी सामग्री को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। चोकर के साथ कफ सिरप को इस तरह छिपाकर ले जाने की कोशिश से पुलिस की जांच व्यवस्था पर भी सवाल उठ सकते थे, लेकिन चेक पोस्ट पर जांच के दौरान खेप पकड़ ली गई।

कार्रवाई के दौरान ट्रक चालक पुलिस को देखकर मौके से भाग निकला। पुलिस ने फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। साथ ही बरामद कफ सिरप और ट्रक के संबंध में आगे की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में कोडीन कफ सिरप कहां से लाई जा रही थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। बरामद सामग्री से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। श्रीकरपुर चेक पोस्ट पर पुलिस की निगरानी और वाहन जांच के दौरान यह कार्रवाई हुई। चोकर लदे ट्रक की जांच में नशे से जुड़ी सामग्री मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया।

बाइक से चलने वालों से चार पहिया का चालान!

सासाराम (संवाददाता)। सासाराम में आयोजित लोक अदालत के दौरान परिवहन विभाग से जुड़ी एक गंभीर शिकायत सामने आई है। शिकायत में आरोप लगाया गया कि बाइक चालकों से चार पहिया वाहनों के चालान की राशि वसूल की जा रही है। मामले को लेकर वाहन मालिकों ने जांच की मांग करते हुए सही चालान निर्धारित किए जाने की अपील की है।

12 सितंबर, शनिवार को सासाराम में आयोजित लोक अदालत में परिवहन विभाग से संबंधित शिकायत सामने आई। शिकायतकर्ताओं की ओर से आरोप लगाया गया कि कुछ बाइक चालकों से चार पहिया वाहनों के लिए निर्धारित चालान की राशि भरवाई जा रही है। इस शिकायत के सामने आने के बाद वाहन मालिकों ने मामले की जांच कराने की मांग की है। शिकायत में मुख्य आरोप यह है कि दोपहिया वाहन चालकों पर चार पहिया वाहनों से संबंधित चालान लगाया जा रहा है। वाहन मालिकों का कहना है कि यदि चालान जारी करने में किसी प्रकार की गलती हुई है तो उसकी जांच कर वास्तविक वाहन और उससे संबंधित नियम के अनुसार सही चालान निर्धारित किया जाना चाहिए।

लोक अदालत में शिकायत लेकर पहुंचे लोगों ने पूरे मामले की जांच कराने की मांग रखी। उनका कहना है कि चालान की प्रक्रिया में यदि कोई त्रुटि हुई है तो उसे स्पष्ट किया जाना जरूरी है, ताकि वाहन मालिकों से सही राशि ही वसूल की जाए। शिकायतकर्ताओं ने मांग की कि परिवहन विभाग से जुड़े ऐसे मामलों की जांच की जाए और वाहन के प्रकार के अनुसार सही चालान निर्धारित किया जाए। इससे बाइक चालकों से चार पहिया वाहनों के नाम पर कथित रूप से वसूली किए जाने की शिकायत की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

बेगूसराय में बाल वैज्ञानिकों का कमाल!

86 शोध पत्रों में से 10 का राज्य स्तर पर चयन, विज्ञान प्रतिभाओं ने दिखाया हुनर

बेगूसराय (संवाददाता)। बेगूसराय के बीपी इंटर स्कूल में शनिवार को 32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026 का जिला स्तरीय आयोजन किया गया। इस आयोजन में जिले के बाल वैज्ञानिकों ने अपने वैज्ञानिक शोध और परियोजनाओं को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान कुल 86 बाल वैज्ञानिकों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए, जिनमें से 10 बाल वैज्ञानिकों का चयन राज्य स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया गया।

जिला स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक सोच और शोध क्षमता का प्रदर्शन किया। कुल 86 बाल वैज्ञानिकों ने अलग-अलग विषयों पर तैयार किए गए शोध पत्र प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपने अध्ययन, प्रयोग और शोध के माध्यम से विभिन्न विषयों को समझने और उनके समाधान तलाशने का प्रयास किया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा को मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर दिया। शोध पत्रों के माध्यम से बाल वैज्ञानिकों ने अपने विचारों और अध्ययन को सामने रखा, जिससे उनकी जिज्ञासा, रचनात्मक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिला।

जिला स्तरीय आयोजन के दौरान प्रस्तुत किए गए शोध पत्रों में से 10 बाल वैज्ञानिकों का चयन राज्य स्तर के लिए किया गया। अब चयनित विद्यार्थी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपने शोध और वैज्ञानिक कार्यों को प्रस्तुत करेंगे। राज्य स्तर के लिए चयन विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

बीपी इंटर स्कूल में आयोजित हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

बेगूसराय के बीपी इंटर स्कूल में आयोजित इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में बाल वैज्ञानिकों ने अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए। विभिन्न शोध पत्रों के बीच से 10 प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तर के लिए किया गया। चयनित विद्यार्थियों के लिए यह उपलब्धि उनके वैज्ञानिक प्रयासों को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी।

राज्य स्तर पर अब दिखेगा बेगूसराय के बाल वैज्ञानिकों का हुनर

जिला स्तर पर चयनित 10 बाल वैज्ञानिक अब राज्य स्तर पर अपनी शोध परियोजनाओं और वैज्ञानिक विचारों को प्रस्तुत करेंगे। जिला स्तरीय मंच से राज्य स्तरीय मंच तक पहुंचना विद्यार्थियों के लिए अपने काम को आगे ले जाने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस आयोजन के जरिए विद्यार्थियों में शोध, प्रयोग और वैज्ञानिक सोच के प्रति रुचि विकसित करने पर जोर दिखाई दिया। बाल वैज्ञानिकों ने अपने शोध पत्रों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

ईरान का जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हमला, ए-10 थंडरबोल्ट समेत 9 विमानों को नुकसान

जॉर्डन (एजेंसी)। अमेरिका द्वारा ईरानी जहाजों पर किए गए हमलों के जवाब में ईरान ने जॉर्डन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अब सामने आई रिपोर्टों के अनुसार, ईरानी मिसाइल हमले में अमेरिकी वायुसेना के कई लड़ाकू और सैन्य विमान क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें एक ए-10 थंडरबोल्ट हमला करने वाला विमान भी शामिल है, जिसे 'वॉर्थोग' के नाम से जाना जाता है।

सूत्रों के मुताबिक, ईरान द्वारा जॉर्डन के मुवफ्फाक साल्टी वायु अड्डे पर किए गए हमले में ए-10 थंडरबोल्ट के एक पंख को गंभीर क्षति पहुंची और वह टूट गया। इसके अलावा करीब आठ एफ-15ई 'स्ट्राइक ईगल' लड़ाकू विमानों को भी मामूली नुकसान हुआ है। हालांकि, बताया गया है कि क्षतिग्रस्त विमानों को मरम्मत के बाद फिर से सेवा में शामिल कर लिया गया है।

विमानों को हुए नुकसान की खबरों पर अमेरिकी मध्य कमान ने अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। इसलिए हमले से हुए नुकसान की पूरी स्थिति की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी हमले के दौरान जॉर्डन में तैनात अमेरिकी सेना ने अपनी रक्षा के लिए 30 से अधिक पैट्रियट मिसाइलें दागीं। यह कार्रवाई उस घटनाक्रम के बाद हुई, जिसमें अमेरिका ने ईरानी सेना द्वारा अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत को निशाना बनाए जाने के जवाब में ईरान के पांच तेल टैंकरों पर हमला किया था।

अमेरिकी कार्रवाई के बाद ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने जवाबी कार्रवाई का दावा किया। ईरानी पक्ष के अनुसार, उसने आठ टैंकरों और दो युद्धपोतों को निशाना बनाया। जॉर्डन स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डा भी इस जवाबी कार्रवाई के लक्ष्यों में शामिल था। ईरानी मिसाइल हमले के तुरंत बाद जॉर्डन की सेना ने दावा किया था कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने आने वाली मिसाइलों का पता लगाकर उन्हें रोक दिया और निष्क्रिय कर दिया। जॉर्डन की सेना के आधिकारिक बयान के अनुसार, उसकी रक्षा प्रणालियों ने ईरान से दागी गई 20 बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाया। इनमें से 18 मिसाइलों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया, जबकि दो मिसाइलें निर्जन क्षेत्र में गिरीं। हालांकि, अमेरिकी सैन्य विमानों को नुकसान पहुंचने की खबर सामने आने के बाद जॉर्डन के इन दावों पर सवाल उठ रहे हैं। यदि रिपोर्ट में बताए गए नुकसान की पुष्टि होती है, तो इससे संकेत मिलता है कि कुछ मिसाइलें जॉर्डन की वायु रक्षा व्यवस्था को पार करने में सफल रही होंगी।

(बाएं से दाएं) नई दिल्ली के भारत मंडपम में ब्रिक्स बिज़नेस फोरम 2026 के दौरान ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और ब्राज़ील के विदेश मंत्री मौरो विएरा।

जयपुर में महिला और 3 बेटियों की हत्या, पुलिस को पति पर है शक, तलाश जारी

जयपुर (एजेंसी)। राजधानी जयपुर के करधनी थाना क्षेत्र स्थित गोविंद वाटिका में एक मकान के अंदर मां और उसकी तीन बेटियों के शव मिलने से हड़कंप मच गया। चारों के शव घर के अंदर मिले और उनके कपड़े खून से सने हुए थे। घटना के बाद से बेटियों का पिता लापता है। पुलिस को प्रथम दृष्टया आशंका है कि वारदात के बाद वह मौके से फरार हुआ है। हालांकि पुलिस ने अभी मामले में किसी निष्कर्ष की पुष्टि नहीं की है।

घटना की सूचना मिलते ही करधनी थाना पुलिस के साथ जयपुर पश्चिम के पुलिस उपायुक्त प्रशांत किरण मौके पर पहुंचे। पुलिस के साथ विधि-विज्ञान प्रयोगशाला की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की शवगृह में रखवाया गया है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। जयपुर पश्चिम के पुलिस उपायुक्त प्रशांत किरण ने बताया कि गोविंद वाटिका स्थित एक मकान में तीन बच्चियों और उनकी मां के शव पड़े होने की सूचना मिली थी। तीनों बेटियों की उम्र 17 से 24 वर्ष के बीच बताई गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चारों घर में सो रही थीं और उनके सिर पर भारी पत्थर से हमला किया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक महिलाओं और युवतियों के बुजुर्ग दादा से भी बातचीत की। पूछताछ में पता चला कि उनका बेटा सुबह से ही घर से लापता है। इसके बाद पुलिस को आशंका हुई कि वारदात में बेटियों के पिता की भूमिका हो सकती है। पुलिस अब उसकी तलाश कर रही है और उसके मिलने के बाद पूछताछ के जरिए घटनाक्रम की पूरी जानकारी सामने आने की उम्मीद है। पुलिस को घटनास्थल से खून से सने कपड़े भी मिले हैं। इनकी जांच विधि-विज्ञान प्रयोगशाला के माध्यम से कराई जा रही है। पुलिस और विधि-विज्ञान प्रयोगशाला की टीम ने घटनास्थल से अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य भी एकत्र किए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि घटना से पहले और बाद की गतिविधियों का पता लगाया जा सके।

तमिलनाडु के वेल्लोर में निर्माणाधीन चर्च की छत का मचान गिरा, पिता-पुत्र समेत तीन की मौत, 11 घायल

वेल्लोर (एजेंसी)। तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश सीमा के पास वेल्लोर जिले के मंथीकृष्णपुरम गांव में निर्माणाधीन चर्च की छत का मचान गिरने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 श्रमिक घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। मलबे में किसी अन्य व्यक्ति के फंसे होने की आशंका को देखते हुए राहत एवं बचाव अभियान जारी रखा गया।

जानकारी के अनुसार, काटपाडी के पास मंथीकृष्णपुरम गांव में एक नए चर्च का निर्माण कार्य चल रहा है। गुरुवार, 10 सितंबर को चर्च की छत पर कंक्रीट डालने का काम किया जा रहा था। इस दौरान 30 से अधिक श्रमिक काम में जुटे थे। अचानक छत को सहारा देने वाला मचान भरभराकर गिर गया। इसके साथ कंक्रीट मिश्रण और अन्य निर्माण सामग्री नीचे काम कर रहे श्रमिकों पर जा गिरी। हादसे के बाद कई श्रमिक मलबे में दब गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल मलबे में फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें भी मौके पर पहुंचीं। वेल्लोर, काटपाडी और चित्तूर से पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया।

बचाए गए घायलों में से चार को वेल्लोर सरकारी अस्पताल तथा तीन को सीएमसी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। अन्य घायलों को भी आवश्यक चिकित्सा सहायता दी जा रही है। हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। मृतकों की पहचान इमैनुएल, सैमुअल और जॉन के रूप में हुई है। जॉन और इमैनुएल कर्नाटक के बेंगलुरु के रहने वाले थे। जांच में सामने आया है कि जॉन निर्माण कार्य के लिए सेंटरिंग ठेकेदार के रूप में आया था, जबकि इमैनुएल उसका बेटा था। सैमुअल के श्रमिक होने की जानकारी सामने आई है। मलबे में किसी अन्य व्यक्ति के दबे होने की आशंका को देखते हुए अरक्कोणम से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के 38 जवानों को मौके पर बुलाया गया। बचाव अभियान में दो प्रशिक्षित खोजी कुत्तों की भी मदद ली जा रही है। बचाव दल मलबे को हटाकर किसी भी संभावित व्यक्ति की तलाश कर रहा है।

वेल्लोर की जिला कलेक्टर लीला एलेक्स ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उनके साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और काटपाडी के विधायक सुधाकर भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने राहत एवं बचाव कार्य की स्थिति का जायजा लिया। जिला कलेक्टर लीला एलेक्स ने बताया कि अब तक कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। मृतकों और घायलों से संबंधित पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए विशेष समिति गठित की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह भी जांच की जाएगी कि चर्च के निर्माण के लिए सभी आवश्यक और वैध अनुमतियां ली गई थीं या नहीं। पुलिस को भी मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं। हादसे के लिए जिम्मेदारी तय करने के साथ ही निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों के पालन की भी जांच की जाएगी। जिला प्रशासन की ओर से मृतकों और घायलों के परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि जब तक मलबे को पूरी तरह नहीं हटा लिया जाता और किसी अन्य व्यक्ति के फंसे होने की संभावना समाप्त नहीं हो जाती, तब तक राहत एवं बचाव अभियान जारी रहेगा।

व्यापार बढ़ाना है तो बाजारों तक पहुंच को आसान और सरल बनाएं, ब्रिक्स देशों से बोले पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने ब्रिक्स देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को और मजबूत बनाने की अपील करते हुए सुरक्षित एवं विविध आपूर्ति श्रृंखला तथा बाजारों तक खुली पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि व्यापार किसी भी सदस्य देश के आर्थिक विकास और लोगों के कल्याण के रास्ते में बाधा नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ब्रिक्स को अपने उत्पादों के लिए एक बड़े और महत्वपूर्ण बाजार के रूप में देखता है तथा एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स व्यापार मंच को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि दुनिया के कुल व्यापार में ब्रिक्स देशों की हिस्सेदारी लगभग एक-चौथाई यानी 25 प्रतिशत है। ऐसे में आपसी व्यापार को बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं हैं। कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस. जयशंकर समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र का उल्लेख करते हुए गोयल ने कहा कि भारत के विनिर्माण निर्यात में इंजीनियरिंग सामान और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की बड़ी हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया की 'फार्मेसी' के रूप में भी जाना जाता है और औषधि क्षेत्र में देश की मजबूत क्षमता है।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स इन उत्पादों के लिए एक बड़ा और महत्वपूर्ण बाजार है। भारत एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में अपने उत्पादों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाना चाहता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार को मजबूत, सुरक्षित और विविध आपूर्ति श्रृंखला पर आधारित बनाने की जरूरत है। इसके लिए सदस्य देशों को कच्चे माल और महत्वपूर्ण खनिजों सहित एक-दूसरे के उत्पादों के लिए अपने बाजार खोलने चाहिए।

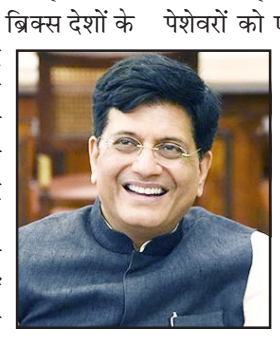

गोयल ने कहा कि आपूर्ति श्रृंखला तभी मजबूत हो सकती है, जब व्यापार दोनों दिशाओं में समान रूप से आगे बढ़े। उन्होंने गैर-शुल्क संबंधी उपायों को भी व्यापार के लिए बड़ी चुनौती बताया। उनके अनुसार, 88 प्रतिशत देशों के लिए गैर-शुल्क उपाय यानी कर के अतिरिक्त लागू किए जाने वाले नियम निर्यात की लागत को वास्तविक कर से भी काफी अधिक बढ़ा देते हैं। उन्होंने ब्रिक्स के सदस्य और साझेदार देशों से बाजारों तक पहुंच को अधिक सरल बनाने, सरकारी नियमों एवं प्रक्रियाओं को आसान करने तथा व्यापारिक वस्तुओं को तेजी से मंजूरी देने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

गोयल ने कहा कि ब्रिक्स देशों को कृषि-प्रौद्योगिकी से जुड़े नवोदित उद्यमों को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि वे खाद्य सुरक्षा के लिए सदस्य देशों के किसानों के साथ मिलकर नए समाधान विकसित कर सकें। उन्होंने सेवा क्षेत्र में भी आपसी सहयोग बढ़ाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि पेशेवरों को एक देश से दूसरे देश आने-जाने में आसानी होनी चाहिए तथा सदस्य देशों को एक-दूसरे की पेशेवर डिग्रियों और योग्यताओं को सरलता से मान्यता देने की दिशा में काम करना चाहिए।

ब्रिक्स देशों की आर्थिक प्रगति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की वकालत करते हुए गोयल ने कहा कि भारत में 1.40 लाख से अधिक मान्यता प्राप्त नवोदित उद्यमों में कम से कम एक महिला साझेदार या निदेशक है। उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में वितरित किए गए छोटे ऋणों में करीब दो-तिहाई ऋण महिला उद्यमियों को दिए गए हैं। इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत होने, स्वतंत्र बनने और आत्मनिर्भरता हासिल करने में मदद मिली है। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में नई दिल्ली में ब्रिक्स महिला व्यापार गठबंधन की बैठक हुई थी। गोयल ने महिलाओं के नेतृत्व वाली कंपनियों को ब्रिक्स की प्रदर्शनियों, व्यापार मेलों और अन्य कारोबारी अवसरों में अधिक भागीदारी दिलाने की अपील की। डिजिटल सार्वजनिक ढांचे के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए गोयल ने कहा कि भारत की एकीकृत भुगतान प्रणाली के माध्यम से एक वर्ष में 25 हजार करोड़ से अधिक लेनदेन होते हैं। उन्होंने कहा कि यह दुनिया में होने वाले कुल डिजिटल लेनदेन के आधे से भी अधिक हैं। भारत की एकीकृत भुगतान प्रणाली को वर्तमान में दुनिया के 11 देशों में स्वीकार किया जाता है।

केंद्रीय मंत्री ने ब्रिक्स सदस्य और साझेदार देशों से अपनी-अपनी भुगतान प्रणालियों को आपस में जोड़ने तथा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने डिजिटल व्यापार को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने और भविष्य की उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में मिलकर काम करने पर भी जोर दिया। गोयल ने कहा कि भारत के पास कृषि, औषधि, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन और वाहन कलपुर्जों के साथ-साथ सेवा क्षेत्र में मजबूत क्षमताएं हैं। उन्होंने ब्रिक्स देशों के नवोदित उद्यमों के पारिस्थितिकी तंत्र को आपस में जोड़ने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि इससे नए आविष्कार, तकनीकी साझेदारी और मजबूत वैश्विक मूल्य श्रृंखला विकसित करने के अवसर पैदा होंगे। भारत ब्रिक्स सदस्य और साझेदार देशों के साथ सहयोग को और गहरा करने की व्यापक संभावनाएं देखता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि यह वर्ष ब्रिक्स के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है, क्योंकि संगठन के संस्थागत सहयोग के 20 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस अवधि में ब्रिक्स ने अपनी सदस्यता, एजेंडे और सहयोग के तरीकों में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

ईरान का होर्मुज जलडमरूमध्य में दर्जनों जहाजों पर हमला

तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका से बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में दर्जनों जहाजों पर हमले का दावा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि उन्होंने 2 अमेरिकी जहाजों, 8 तेल टैंकरों और क्षेत्र से गुजरने की कोशिश कर रहे 10 गैर-अनुपालन करने वाले जहाजों पर हमला किया।साथ ही ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास एक नो-गो जोन का भी विस्तार किया है। जहाजों पर हमले के ईरान के दावे के बाद यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने कहा कि ओमान की खाड़ी में कई जहाजों को क्षेत्र में चल रही सैन्य गतिविधि के हिस्से के रूप में गोलीबारी का सामना करना पड़ा जिससे वे निष्क्रिय हो गए वहीं, ईरानी विदेश मंत्रालय ने अमेरिका द्वारा जहाजों पर किए गए हमलों को क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक खुला खतरा बताया।

इजरायल के हमले में हमास का शीर्ष कमांडर फराह हामिद ढेर, कई हमलों का था मास्टरमाइंड

गाजा (एजेंसी)। इजरायल की ओर से गाजा शहर में किए गए एक हवाई हमले में हमास की सैन्य शाखा के शीर्ष कमांडरों में शामिल फराह हामिद मारा गया। इजरायली सुरक्षा एजेंसियों और फिलिस्तीनी संगठन हमास, दोनों ने उसकी मौत की पुष्टि की है। इजरायली अधिकारियों के मुताबिक, की गई इस कार्रवाई को खुफिया जानकारी के आधार पर अंजाम दिया गया।

इजरायली अधिकारियों के अनुसार, अभियान को इजरायल पुलिस की विशेष गिदोनियम इकाई, आंतरिक सुरक्षा एजेंसी 'शिन बेत' और इजरायल रक्षा बलों ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया। हमले से जुड़ा एक वीडियो भी इंटरनेट माध्यम 'एक्स' पर सामने आया है। इसमें मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों को हवाई हमले की चपेट में आते हुए दिखाया गया है।

हामिद की मौत ऐसे समय हुई है, जब गाजा में इजरायल और हमास के बीच संघर्ष जारी है तथा क्षेत्र में ईरान समर्थित विभिन्न सशस्त्र गुटों के साथ भी तनाव बना हुआ है।

महाराष्ट्र के बंदरगाह विकास मंत्री नितेश राणे ने मुंबई में गणेशोत्सव से पहले दादर से सावंतवाड़ी जाने वाले कोंकण निवासियों के लिए मोदी एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

शादी का वादा पूरा न होना अपने आप में अपराध नहीं, गुजरात हाईकोर्ट ने रद्द की प्राथमिकी

अहमदाबाद (एजेंसी)।

गुजरात हाई कोर्ट ने शादी का वादा कर महिला से शारीरिक संबंध बनाने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और उससे जुड़ी आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा कि लंबे समय तक चले रिश्ते के बाद शादी नहीं होने या पुरुष द्वारा शादी से इनकार कर देने मात्र से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि उसने शुरुआत से ही शादी का झूठा वादा किया था या महिला को धोखा देने का आपराधिक इरादा रखा था।

अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में यह देखना जरूरी है कि जब आरोपी ने शादी का वादा किया था, तब वास्तव में उसका शादी करने का इरादा था या नहीं। केवल बाद में शादी नहीं होने को शुरुआत से किए गए झूठे वादे का प्रमाण नहीं माना जा सकता।

मामले के अनुसार, महिला और आरोपी पुरुष के बीच जून 2023 से अप्रैल 2025 तक करीब दो वर्ष तक संबंध रहे। महिला की उम्र 37 वर्ष बताई गई है। उसका आरोप था कि पुरुष ने उससे शादी करने का वादा किया और इसके आधार पर दोनों के बीच शारीरिक संबंध बने। बाद में पुरुष ने शादी करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत में महिला ने बताया कि रिश्ते के दौरान दोनों कई बार साथ घूमने गए और अलग-अलग अतिथि गृहों में भी ठहरे। उसने यह भी आरोप लगाया कि दोनों के बीच विवाह से जुड़ी मंगलसूत्र बांधने की रस्म हुई थी। शिकायत में बताए गए तथ्यों से यह सामने आया कि दोनों का संबंध किसी एक मुलाकात या थोड़े समय तक सीमित नहीं था, बल्कि करीब दो वर्षों तक चला।

इसके बाद आरोपी ने गुजरात हाई कोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और उसके आधार पर चल रही आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने की मांग की।

आरोपी की ओर से अधिवक्ता जिग्नेश नायक ने अदालत में दलील दी कि शिकायत में लगाए गए आरोपों को पूरी तरह देखने के बाद भी

ऐसा कोई तथ्य सामने नहीं आता, जिससे यह साबित हो कि आरोपी का शुरुआत से ही शादी करने का इरादा नहीं था।

उन्होंने कहा कि यदि आरोपी ने केवल महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए शादी का झूठा वादा किया होता तो उसके आपराधिक इरादे की परिस्थितियां अलग होतीं। लेकिन इस मामले में दोनों के बीच करीब दो वर्ष तक संबंध रहे, वे साथ घूमते रहे और अलग-अलग स्थानों पर साथ समय बिताते रहे। ऐसे में केवल बाद में शादी नहीं होने के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि रिश्ते की शुरुआत से ही आरोपी का इरादा महिला को धोखा देने का था।

हाई कोर्ट के सामने मुख्य सवाल यह था कि क्या शादी का वादा करने के बाद विवाह नहीं होने की हर स्थिति को शुरुआत से किया गया झूठा वादा मानकर आपराधिक अपराध माना जा सकता है।

अदालत ने इस अंतर को महत्वपूर्ण माना। कोर्ट के अनुसार, शादी का वादा पूरा न कर पाना और शुरुआत से ही शादी करने का कोई इरादा न रखते हुए झूठा वादा करना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। किसी मामले में आपराधिक जिम्मेदारी तय करने के लिए यह देखना आवश्यक है कि वादा करते समय आरोपी की वास्तविक मंशा क्या थी।

अदालत ने माना कि इस मामले में पुरुष और महिला के बीच संबंध लंबे समय तक चले। दोनों साथ घूमे और रिश्ते के दौरान साथ समय बिताया। शिकायत में बताए गए तथ्यों को देखते हुए पूरे रिश्ते को शुरुआत से ही शादी के झूठे वादे पर आधारित मानना उचित नहीं होगा।

अदालत ने कहा कि यदि किसी रिश्ते में दोनों पक्ष लंबे समय तक आपसी सहमति से साथ रहे और बाद में किसी कारण से शादी नहीं हो पाई या एक पक्ष ने विवाह से इनकार कर दिया, तो मात्र इस आधार पर यह साबित नहीं होता कि शुरुआत से ही धोखा देने का आपराधिक इरादा था।

हालांकि, इसका यह अर्थ नहीं है कि शादी का झूठा वादा करके शारीरिक संबंध बनाने के आरोप वाले हर मामले में आरोपी को कानूनी कार्रवाई से छूट मिल जाएगी।

यदि शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों से प्रथम दृष्टया यह सामने आता है कि आरोपी ने शुरुआत से ही शादी करने का कोई वास्तविक इरादा नहीं रखा था और केवल शारीरिक संबंध बनाने के लिए झूठा वादा किया था, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

Mohammed Siraj ने बताया Duleep Trophy में लंबे स्पेल डालने से कैसे वापस मिली पुरानी लय

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने स्वीकार किया कि दो महीने के विश्राम के बाद उन्हें श्रीलंका दौरे में अपनी गति और लय हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा था लेकिन दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल करने से उन्हें अपनी लय हासिल करने में मदद मिली है। सिराज श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के दौरान अपनी पुरानी फॉर्म में नहीं दिखे। वह लय हासिल नहीं कर पा रहे थे और उनकी गति भी काफी कम हो गई थी।

सिराज ने इस श्रृंखला की चार पारियों में केवल 44 ओवर किए थे। सिराज ने दलीप ट्राफी फाइनल के बाद पत्रकारों से कहा, ''दो महीने के ब्रेक के बाद सीधे मैच खेलना आसान नहीं था। मैं पूरी तरह से लय हासिल नहीं कर पाया था। मैं ऐसा गेंदबाज हूं जो पूरी तरह से लय पर निर्भर है। अगर मैं लय में नहीं हूं, तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकता।'' उन्होंने कहा, ''श्रीलंका में यही मेरी समस्या थी। मैं अपने रनअप से तालमेल नहीं बिठा पा रहा था।

मेरे कुछ कदम बहुत छोटे थे, कुछ बहुत लंबे। इससे मेरी लय टूट गई और मेरी गति धीमी हो गई।'' अफगानिस्तान के खिलाफ आठ जून को समाप्त हुए एकमात्र टेस्ट मैच के बाद 32 वर्षीय सिराज ने दो महीने का ब्रेक लिया और फिर भारत के श्रीलंका दौरे के लिए टीम में शामिल हुए। इस दौरे की शुरुआत सात अगस्त को एसएलसी एकादश के खिलाफ मैच से हुई।

सिराज ने हालांकि पूर्व क्षेत्र और दक्षिण क्षेत्र के बीच खेले गए दलीप ट्रॉफी के फाइनल में 41 ओवर किए और इस दौरान अपनी लय हासिल की। उन्होंने कहा, ''यहां सब कुछ सही हो गया है और मैं अपनी पुरानी गति से गेंदबाजी करने लग गया हूं। यह बहुत मुश्किल था। हम सीधे श्रीलंका से आए थे, जहां हमने दूसरे टेस्ट (कोलंबो में) में तीन दिन से अधिक समय तक फील्डिंग की थी। इसके बाद हमें एक सप्ताह के अंदर चेन्नई की भीषण गर्मी में खेलना पड़ा।'' सिराज ने कहा, ''लेकिन मेरे लिए यह जुनून पर निर्भर करता है। जब आप अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं तो आप बहाने नहीं बना सकते। आपको अपनी टीम और देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना होगा।'' दलीप ट्रॉफी के फाइनल की पहली पारी में सिराज की पूर्वी क्षेत्र के बल्लेबाजों ने जमकर धुनाई की। सिराज ने 25 ओवरों में 140 रन लुटाए और उन्हें विकेट लेने के लिए दूसरी पारी तक इंतजार करना पड़ा। सिराज हालांकि इससे चिंतित नहीं हैं।'' उन्होंने कहा, ''भले ही आज मुझे विकेट न मिले हों, लेकिन मेरी यह मेहनत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रंग लाएगी। मैं अपनी लय हासिल करने के लिए ही इस मैच में खेला। इससे मुझे काफी फायदा मिला है। इस मैच को खेलने से मेरा शरीर फिर से सक्रिय हो गया और मैंने लय हासिल कर ली है।

पहलवान विनेश फोगाट को दिल्ली उच्च न्यायालय से झटका, चयन ट्रायल में शामिल होने की अर्जी खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पहलवान विनेश फोगाट को 2026 सीनियर विश्व चैंपियनशिप के लिए होने वाले महिला चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने देर रात जारी अंतरिम आदेश में कहा कि इस स्तर पर अदालत 14 सितंबर को होने वाले चयन ट्रायल में फोगाट को हिस्सा लेने की अनुमति देने के लिए पात्रता मानदंड में अंतरिम छूट देने के पक्ष में नहीं है। अदालत ने कहा, ''दोहराया जाता है कि सात सितंबर 2026 के सर्कुलर में निर्धारित मानदंड सभी खिलाड़ियों पर समान रूप से लागू होते हैं।

कोई खिलाड़ी जिसने किसी भी कारण से निर्धारित प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया है प्रतिवादी संख्या 1 (भारतीय कुश्ती महासंघ) द्वारा निर्धारित पात्रता श्रेणियों में नहीं आता।'' उच्च न्यायालय ने यह आदेश पहलवान फोगाट की उस याचिका को खारिज करते हुए दिया जिसमें उन्होंने मातृत्व अवकाश से लौटने के बाद 2026 सीनियर विश्व चैंपियनशिप के महिला चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति मांगी थी। अदालत ने कहा कि गर्भावस्था, बच्चे के जन्म और प्रसव के बाद स्वास्थ्य लाभ से जुड़ी फोगाट की परिस्थितियों पर नीति की वैधता की जांच करते समय विचार करना जरूरी होगा।

हालांकि, अंतरिम चरण में केवल इन परिस्थितियों के आधार पर उन्हें पात्रता मानदंड के विपरीत चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने कहा कि ''नीति की वैधता पर पहले फैसला किए बिना केवल याचिकाकर्ता को ऐसी अंतरिम राहत देना उन समान परिस्थितियों वाले खिलाड़ियों के साथ असमान व्यवहार का कारण बन सकता है जो इस अदालत के समक्ष नहीं हैं।'' अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि उसने सर्कुलर की वैधता या लंबित अनुशासनात्मक कार्यवाही के गुण-दोष पर कोई अंतिम राय व्यक्त नहीं की है और फिलहाल अंतरिम राहत देने के पक्ष में नहीं है। फोगाट ने लंबित मुख्य याचिका में दायर आवेदन के जरिए सात सितंबर को डब्ल्यूएफआई द्वारा जारी उस सर्कुलर पर रोक लगाने की भी मांग की थी जिसमें 14 सितंबर को यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में होने वाले चयन ट्रायल के लिए पात्रता मानदंड तय किए गए हैं।

अफगानिस्तान सीरीज से पहले भारतीय टीम की मस्ती, पतंग उड़ते दिखे अभिषेक और शिवम दुबे, किसकी हुई जीत?

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले टीम इंडिया दिल्ली में तैयारियों में जुटी है। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खिलाड़ियों ने जमकर अभ्यास किया। इस दौरान अभिषेक शर्मा ने नेट्स में करीब आधे घंटे तक बल्लेबाजी की। प्रैक्टिस के बाद उनका एक अलग ही अंदाज देखने को मिला। वह मैदान पर तिरंगे वाली पतंग उड़ाते नजर आए।

अभ्यास सत्र के दौरान अभिषेक शर्मा का पूरा ध्यान अपनी पावर-हिटिंग पर रहा। उन्होंने करीब 30 मिनट तक बल्लेबाजी की और स्पिन तथा तेज गेंदबाजों के खिलाफ अपने शॉट्स का अभ्यास किया। अभिषेक ने खास तौर पर रेंज हिटिंग पर जोर दिया। स्पिनरों के खिलाफ उन्होंने कई बड़े छक्के लगाए। वहीं, तेज गेंदबाजों के सामने भी उन्होंने आक्रामक शॉट खेलने की प्रैक्टिस की।

अभ्यास खत्म हुआ तो हाथ में थाम ली पतंग की डोर: नेट्स में बल्लेबाजी के बाद अभिषेक का हल्का-फुल्का अंदाज देखने को मिला।

प्रैक्टिस खत्म होने के बाद वह मैदान के एक हिस्से में पहुंचे और पतंग उड़ाने लगे। इस दौरान उनके साथ शिवम दुबे भी नजर आए। अभिषेक जिस पतंग को उड़ा रहे थे, वह तिरंगे के रंग में थी। उन्होंने करीब 10 से 15 मिनट तक पतंगबाजी का आनंद लिया। इस दौरान वह काफी सहज नजर आए। बीसीसीआई ने इस पूरे पल का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है।

अभिषेक जिस आसानी से पतंग की डोर संभाल रहे थे, उससे ऐसा लग रहा था कि वह पतंगबाजी से अच्छी तरह परिचित हैं। वह हवा के हिसाब से डोर को संभालते और पतंग को ऊपर ले जाते नजर आए। अभिषेक के लिए यह प्रैक्टिस सेशन दो अलग अंदाज लेकर आया। पहले उन्होंने नेट्स में गेंदों को अपने बल्ले से हवा में भेजा और फिर मैदान से आसमान की ओर तिरंगे वाली पतंग उड़ाई। उनके साथ शिवम दुबे का नजर आना भी इस पल को और दिलचस्प बना गया।

तान्या चौधरी ने हैमर थ्रो में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड, Avinash Sable भी जीते

नयी दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की तान्या चौधरी ने महिलाओं की तार गोला फेंक स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर खिताब जीतकर जबकि चोट से उबरकर लौटे अविनाश साबले ने यहां इंडियन एथलेटिक्स सीरीज फाइनल में एक साल से अधिक समय बाद अपनी पहली 3000 मीटर स्टीपलचेज रेस में शानदार जीत दर्ज की। बाइस वर्षीय तान्या 68.35 मीटर के प्रयास के साथ शीर्ष पर रहीं। उन्होंने अपनी ही राज्य की अनुष्का यादव के जून में बनाए 67.02 मीटर के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर किया।

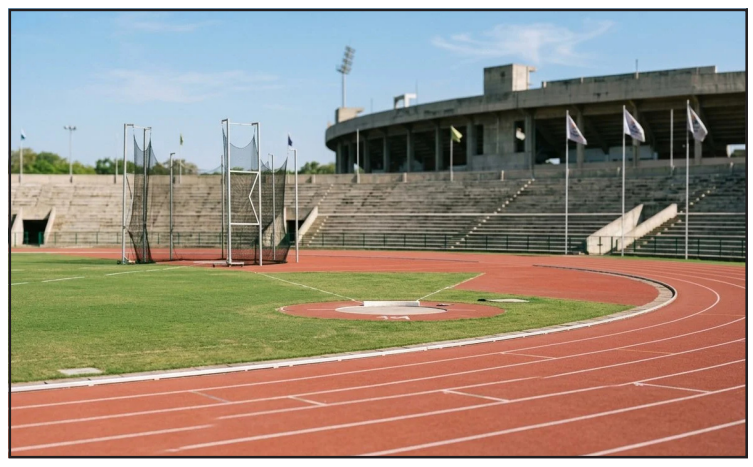

अनुष्का 66.34 मीटर के प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। तान्या और अनुष्का दोनों एशियाई खेलों की भारतीय टीम में शामिल हैं। महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व कर रहे स्टार स्टीपलचेज धावक साबले ने आठ मिनट 32.39 सेकेंड के समय के साथ पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा जीती। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

यह एक साल से अधिक समय में इस स्पर्धा में उनकी पहली रेस थी। इकतीस वर्षीय साबले ने पिछले साल एसीएल सर्जरी कराने के बाद इस सत्र में अब तक सिर्फ एक रेस में हिस्सा लिया है। उन्होंने अगस्त में बेल्जियम में 5000 मीटर की रेस में शिरकत की थी।

साबले ने 2023 में हांगझोउ एशियाई खेलों में 3000 मीटर स्टीपलचेज का स्वर्ण और 5000 मीटर में रजत पदक जीता था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने एशियाई खेलों के आयोजकों से साबले का 5000 मीटर में भी प्रवेश स्वीकार करने का अनुरोध किया है, हालांकि 3000 मीटर स्टीपलचेज में उनकी भागीदारी की पुष्टि हो चुकी है। साबले ने कहा, ''मैं 3000 मीटर स्टीपलचेज और 5000 मीटर दोनों के लिए प्रशिक्षण ले रहा हूं।

उम्मीद है कि मैं एशियाई खेलों में दोनों स्पर्धाओं में दौड़ूंगा।'' तान्या और साबले दोनों को विजेता के तौर पर एक-एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिली। राष्ट्रीय महासंघ ने एकदिवसीय प्रतियोगिता को आकर्षक बनाने के लिए कुल 65 लाख रुपये की पुरस्कार राशि रखी है। सभी 30 स्पर्धाओं के विजेताओं को एक-एक लाख रुपये मिलेंगे।

दूसरे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को 50,000 रुपये, जबकि तीसरे, चौथे, पांचवें और छठे स्थान के खिलाड़ियों को क्रमश: 25 हजार, 20 हजार, 15 हजार और 10 हजार रुपये दिए जाएंगे। तान्या ने कहा कि वह पिछले तीन साल से राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के प्रयास में जुटी थीं।

उन्होंने कहा, ''मेरा पिछला व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 63.91 मीटर था। मैंने दो-तीन बार (अंतर विश्वविद्यालय स्तर पर) 65 मीटर से अधिक का प्रदर्शन किया था लेकिन उन्हें आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं माना गया। अब मैं ऐसा करने (राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने) में सफल रही हूं। इसलिए यह एक नई शुरुआत है।'' तान्या उत्तर प्रदेश के बागपत में समान मैदान पर अनुष्का के साथ प्रशिक्षण लेती हैं। हालांकि दोनों के कोच अलग-अलग हैं। उन्होंने कहा, ''मैं बहुत खुश हूं। हम दोनों एक ही मैदान से हैं। इसलिए हमारे बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है। यह हम दोनों के लिए आगे बढ़ने के लिहाज से अच्छा है।'' तान्या एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाइंग स्तर हासिल नहीं कर सकीं लेकिन जापान के आइची-नागोया में होने वाले इन खेलों की भारतीय टीम में जगह बनाने में सफल रहीं।

निकट भविष्य में 70 मीटर की दूरी छूने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर तान्या ने कहा, ''मैंने अभी अभ्यास में 70 मीटर नहीं फेंका है लेकिन 70 मीटर बहुत दूर नहीं है। यह करीब 1.5 मीटर अधिक है। मैं जल्द ही 70 मीटर तक पहुंचूंगी।''

एशियाई खेलों की टीम में देर से शामिल की गई छह खिलाड़ियों में से एक महाराष्ट्र की हरिता भद्रा ने महिलाओं की 100 मीटर दौड़ 11.22 सेकेंड में जीती। उन्होंने एशियाई खेलों की 200 मीटर और चार गुणा 100 मीटर रिले के लिए टीम में शामिल किया गया है।

ओडिशा के अनीमेष कुजूर 10.21 सेकेंड के समय के साथ 100 मीटर दौड़ जीतकर प्रतियोगिता के सबसे तेज पुरुष धावक बने। पंजाब के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुरिंदरवीर सिंह 10.32 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा रोहित यादव ने 81.10 मीटर के प्रयास के साथ जीती जबकि राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता यशवीर सिंह 80.40 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

पंजाब के एशियाई खेलों के मौजूदा चैंपियन तेजिंदरपाल सिंह तूर ने 20.64 मीटर के प्रदर्शन के साथ पुरुषों की गोला फेंक स्पर्धा का खिताब जीता। इंडियन एथलेटिक्स सीरीज फाइनल का आयोजन एशियाई खेलों के लिए भारतीय ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ियों की तैयारियों के तहत किया गया। एशियाई खेलों के लिए चुनी गई 77 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल लगभग सभी एथलीटों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। हालांकि लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर, ऊंची कूद के खिलाड़ी सर्वेश कुशारे और त्रिकूद के खिलाड़ी प्रवीण चित्रावेल जैसे कुछ खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया।

यूएस ओपन : अलेक्जेंडर ज्वेरेव सेमीफाइनल में पहुंचे, करेन खाचानोव से होगा मुकाबला

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अलेक्जेंडर ज्वेरेव का यूएस ओपन 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी है। जर्मनी के इस खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बोटिक वैन डे जैंडशुल्प को 6-2, 7-5, 6-1 से हराकर एकल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अपने शुरुआती 2 मैचों को पांच-पांच सेट तक खींचने वाले ज्वेरेव ने लय पकड़ ली है और लगातार तीन मैच सीधे सेटों में जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है। ज्वेरेव ने शुरुआती सेट में दो बार सर्विस तोड़ी और डचमैन बोटिक को कभी भी सेटल नहीं होने दिया। दूसरे सेट में थोड़ी देर के लिए मुकाबले की झलक मिली।

जैंडशुल्प ने 5-4 से आगे रहते हुए एक सेट पॉइंट हासिल किया, लेकिन ज्वेरेव के मजबूत रहने के कारण वह इसे कन्वर्ट नहीं कर पाए। इसके बाद जर्मन खिलाड़ी ने अगले गेम में सर्विस करने से पहले ब्रेक लिया, जिससे उनके विरोधी की वापसी की उम्मीदें खत्म हो गईं। जर्मन खिलाड़ी ने अपने सामने आए दोनों ब्रेक पॉइंट बचाए और आठ एस के साथ मैच खत्म किया।

इस जीत के साथ ही 2026 में ज्वेरेव सभी चार मेजर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले और अकेले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। ज्वेरेव ने इस साल का फ्रेंच ओपन जीता है, विंबलडन में उपविजेता रहे। ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में उन्हें कार्लोस अल्काराज से हार का सामना करना पड़ा था।

जानिक सिनर की गैरमौजूदगी और कार्लोस अल्काराज के क्वार्टर फाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद ज्वेरेव के पास अपना पहला यूएस ओपन खिताब और साल का दूसरा खिताब जीतने का मौका है।

यूएस ओपन 2026 के सेमीफाइनल में अलेक्जेंडर ज्वेरेव का मुकाबला कैरेन खाचानोव के साथ होगा।

रूस के करेन खाचानोव का क्वार्टर फाइनल मुकाबला बेल्जियम के अलेक्जेंडर ब्लॉक्स के साथ हुआ। ब्लॉक्स मुकाबले

यूएस ओपन

कोको गॉफ ने मीरा एंड्रीवा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई, रायबाकिना से होगा मुकाबला

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। कोको गॉफ ने क्वार्टर फाइनल में मीरा एंड्रीवा के खिलाफ शानदार जीत दर्ज करते हुए यूएस ओपन 2026 के महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। गॉफ ने मीरा एंड्रीवा को 2-6, 7-6, 6-2 से हराया। गॉफ 2023 के बाद पहली बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। गॉफ मैच की शुरुआत में कमजोर दिख रही थीं और एंड्रीवा को टक्कर नहीं दे पा रही थीं। एंड्रीवा ने मात्र 26 मिनट में पहला सेट 6-2 से जीता। पहले सेट के बाद ऐसा लग रहा था कि एंड्रीवा सेमीफाइनल में जगह बना लेंगी, लेकिन यहीं से अनुभवी गॉफ ने वापसी की। दूसरा सेट शुरू होते ही मोमेंटम बहुत बदल गया। एंड्रीवा का स्तर गिर गया। उन्होंने गलतियां करना शुरू कर दिया जिससे गॉफ को मुकाबले में वापस आने का मौका मिल गया। इसके बाद दो खिलाड़ियों के बीच एक तनाव वाला संघर्ष शुरू हुआ। कोई भी रैली करने को तैयार नहीं था या कर नहीं पा रहा था, जब तक कि दूसरा जोर न डाले।

आखिरकार सेट टाईब्रेक में गया, जहां गॉफ ने खुद को दो बार मैच पॉइंट पर पाया। एंड्रीवा के पहला मूव करने का इंतजार करने के बजाय, गॉफ ने आक्रामक तरीका अपनाया। एंड्रीवा किसी भी मौके को भुनाने में नाकाम रहीं। उन्होंने पहले मैच-पॉइंट लॉब को बेसलाइन के पार भेज दिया और फिर दूसरे पर एक और गलती की, जिससे गॉफ को टिके रहने का मौका मिल गया। यही टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। गॉफ ने अचानक एक और गियर पाया जबकि एंड्रीवा का आत्मविश्वास कम होने लगा। एंड्रीवा इस गिरावट से उबर नहीं पाईं। तीसरा सेट गॉफ ने 6-2 से जीतकर गॉफ ने मैच अपने नाम किया।

पाकिस्तान जूनियर टीम को इंग्लैंड में एंटी-इमिग्रेंट प्रोटेस्टर्स ने समझ लिया शरण मांगने वाला ग्रुप

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंग्लैंड के पोर्ट्समाउथ के एक होटल के बाहर एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। पाकिस्तान अंडर-19 टीम इंग्लैंड के अपने मल्टी-फॉर्मेट टूर के दौरान होटल में रुकी थी। मास्क पहने एंटी-इमिग्रेंट प्रोटेस्टर्स (आप्रवासी-विरोधी प्रदर्शनकारी) के एक ग्रुप ने टीम को आश्रय की तलाश वाला ग्रुप समझ लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, मास्क पहने प्रदर्शनकारियों का एक ग्रुप पोर्ट्समाउथ के एक फोर-स्टार होटल के बाहर इकट्ठा हो गया, जब खबर आई कि असाइलम सीकर्स (आश्रय की तलाश) के एक ग्रुप को वहां ले जाया गया है। रिफॉर्म काउंसलर जॉर्ज मैडविक, जिन्हें स्टाफ और जमा हुई भीड़ के बीच-बचाव करने के लिए होटल बुलाया गया था, ने कहा कि यह एक बहुत बुरी घटना थी। यह घटना पोर्ट्समाउथ में सैकड़ों लोगों, जिनमें से कई ने मास्क पहना हुआ था, और पुलिस के बीच झड़प के बाद हुई। इस समय फ्रांस से असाइलम सीकर्स को ले जा रही एक छोटी नाव यूके के कोस्टलाइन पर पहुंची थी।

मैडविक ने कहा कि ग्रुप होटल के बाहर तब इकट्ठा हुआ जब ऐसी खबरें आईं कि होटल में करीब 40 आदमी आए थे, जो अंग्रेज नहीं लग रहे थे, और उन्हें ले जाने वाली कोच उसी कंपनी की थी, जो नाव से आए शरणार्थियों को ले गई थी।

यह बहुत बुरी घटना तब काबू में आई जब मैडविक ने होटल मैनेजर से बात की, जिन्होंने बताया कि होटल पाकिस्तान की एक अंडर-21 क्रिकेट टीम के सदस्यों की मेजबानी कर रहा था, जो साउथ कोस्ट का टूर कर रही थी और मैरियट को अपने बेस के तौर पर इस्तेमाल कर रही थी।

रिपोर्ट में मैडविक के हवाले से कहा गया, मैंने टीम के कोच से भी बात की, जो बहुत समझदार थे। मैं विरोध करने वालों के पास गया और उनसे कहा, तुम गलत समझ रहे हो दोस्तों, यह एक क्रिकेट क्लब है। वे कुछ ही मिनटों में चले गए।

इस घटना के बाद से, इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने टूर करने वाले ग्रुप के बारे में जानने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से संपर्क साधा है। टीम के बाकी टूर के सुरक्षा इंतजाम की समीक्षा की जा रही है।

सड़कों से आगे बढ़े मोनेटाइजेशन, रेल और शहरी इंफ्रा में प्राइवेट पूंजी लाना जरूरी : एनसीएईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को रेल, शहरी और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में प्राइवेट पूंजी लाने के लिए मोनेटाइजेशन मॉडल की जरूरत है। यह बात एनसीएईआर के डायरेक्टर जनरल सुरेश गोयल ने कही। नई दिल्ली में सीआईआई के सालाना इंफ्रास्ट्रक्चर समिट रेविटालिसिंग प्राइवेट कैपिटल फॉर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में सुरेश गोयल ने कहा कि भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर मोनेटाइजेशन स्ट्रैटेजी को सड़कों से आगे बढ़ने की जरूरत है। रेलवे, स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर और शहरी कनेक्टिविटी में प्राइवेट कैपिटल लाने के लिए पीपीपी मोड और कंसेशन फ्रेमवर्क जैसे नए मॉडल की जरूरत है।

गोयल ने कहा कि भारत इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में एक स्ट्रैटेजिक मोड़ पर है। सड़क सेक्टर के मोनेटाइजेशन ने दिखाया है कि अच्छी तरह से तैयार कंसेशन फ्रेमवर्क निवेशकों को आकर्षित कर सकता है, लेकिन इस मॉडल को अन्य सेक्टर में अभी तक सफलतापूर्वक नहीं अपनाया गया है। उन्होंने एनएचएआई के कंसेशन फ्रेमवर्क का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि हाईवे प्रोजेक्ट में सबसे बड़ा जोखिम प्रतिस्पर्धी रूट के आने से रेवेन्यू कम होना है। इसके लिए मौजूदा फ्रेमवर्क में टारगेट रेवेन्यू तय किया जाता है। अगर वास्तविक रेवेन्यू कम रहता है तो कंसेशन अवधि बढ़ा दी जाती है और ज्यादा होने पर अवधि घटा दी जाती है। इस मॉडल को ग्लोबल निवेशकों ने अपनाया है और इसने एनएचएआई एसेट्स के मोनेटाइजेशन में काफी मदद की है। उन्होंने कहा कि अब चुनौती इस सफल फ्रेमवर्क को रेलवे और अन्य सेक्टर में लागू करने की है।

समिट में नीति आयोग में पीपीपी प्रोग्राम डायरेक्टर पार्थ सारथी रेड्डी ने कहा कि पीपीपी इकोसिस्टम हाईवे, पोर्ट और एविएशन से आगे बढ़कर रेलवे, हेल्थकेयर, सॉलिड वेस्ट और वॉटरवेज जैसे क्षेत्रों में फैल रहा है। हर एसेट की विशेषता और रिस्क प्रोफाइल के आधार पर सही पीपीपी मॉडल तय करना होगा। सीआईआई इंफ्रास्ट्रक्चर काउंसिल के चेयरमैन बीवीएन राव ने कहा कि पिछले तीन दशकों से पीपीपी का मतलब पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप है, लेकिन भविष्य के लिए इसका मतलब दृढ़ता, धैर्य और लगन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर देरी वाला प्रोजेक्ट सिर्फ देरी वाली संपत्ति नहीं, बल्कि रुकी हुई नौकरियां और धीमी प्रगति है। अगर प्राइवेट कैपिटल चाहिए तो प्रोजेक्ट को पूरा करना उतना ही जरूरी है जितना आइडिया सोचना। सीआईआई की पीपीपी पर नेशनल कमिटी के चेयरमैन विनायक चटर्जी ने दो बड़ी रुकावटें गिनाईं। पहली, भरोसेमंद और पर्याप्त शवल-रेडी प्रोजेक्ट पाइपलाइन का न होना। अगले पांच साल के लिए आज लगभग 45.6 लाख करोड़ रुपए की पाइपलाइन की जरूरत है। दूसरी, प्राइवेट सेक्टर के लिए समान अवसर न होना। उन्होंने 8 सुधार सुझाए, जिसमें %3पी इंडिया% को संस्थागत रूप देना, स्वतंत्र सेक्टर रेगुलेटर, एनएबीएफआईडी को मेगा-प्रोजेक्ट्स का ढांचा तैयार करने की जिम्मेदारी, प्लग-एंड-प्ले मॉडल और अलग इंफ्रास्ट्रक्चर फंड बनाना शामिल है।

संपादकीय

मीडिया कवरेज का अनुरोध

मोदी पत्रकारों के सवालों का जवाब देना पसंद नहीं करते, यह जग-जाहिर है। इसलिए भारत का प्रेस कांफ्रेंस ना रखने का अनुरोध असामान्य नहीं है। असामान्य अमेरिका का उस अनुरोध के प्रति दिखाई गई बेकद्री है।

कूटनीतिक स्तर पर हुए संदेशों के आदान-प्रदान की सार्वजनिक चर्चा कर अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने जताया है कि ट्रंप काल में अमेरिका के मन में भारतीय नेतृत्व के प्रति कितनी बेकद्री भरी हुई है। जो उन्होंने बताया, उनसे यह और भी स्पष्ट हुआ। यह सवाल भारत सरकार से पूछा जाएगा कि आखिर यह स्थिति उसने क्यों बनने दी है? भारत में अमेरिकी राजदूत गोर ने एक कार्यक्रम में बताया कि जून में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वहां जाने का कार्यक्रम बना, तो भारतीय विदेश मंत्रालय ने अनुरोध किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ उनकी मुलाकात की तस्वीरें लेने की अनुमति दी जाए, लेकिन सवाल-जवाब वाली पूरी कॉन्फ्रेंस ना रखी जाए।

गोर ने यह नहीं कहा, लेकिन अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत की इस शर्त पर अमेरिका सहमत हुआ। लेकिन मुलाकात के बाद मोदी और डॉनल्ड ट्रंप मीडिया के सामने आए, तो शुरुआती बयान पूरा होते ही ट्रंप ने वहां मौजूद पत्रकारों से खुद ही पूछ लिया कि क्या कोई सवाल है? उसके बाद वे 45 मिनट तक सवालों के जवाब देते रहे, जबकि मोदी खामोश बैठे रहे। इस खुलासे से बनी असहज स्थिति के बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने सफाई दी कि किसी शीर्ष नेता के विदेशी दौरों से पहले मीडिया में उनकी उपस्थिति के प्रारूप को लेकर संबंधित देशों के बीच चर्चा होना 'मानक प्रोटोकॉल' है। भारतीय पक्ष ने अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार ही मीडिया कवरेज का अनुरोध किया।

मोदी पत्रकारों के सवालों का जवाब देना पसंद नहीं करते, यह जग-जाहिर है। इसलिए भारत की तरफ से ऐसा अनुरोध असामान्य नहीं है। असामान्य अमेरिका का उस अनुरोध के प्रति दिखाई गई बेकद्री है। अपेक्षित था कि ट्रंप के उस व्यवहार पर भारत सरकार तुरंत सार्वजनिक विरोध जताती। मगर ऐसा नहीं किया गया। अब घरेलू जनमत को संभालने के लिए 'सरकारी सूत्रों' से ब्रीफिंग कराई गई है कि मीडिया के सामने विदेशी नेताओं के साथ ट्रंप के 'अप्रत्याशित व्यवहार' के कारण उपरोक्त अनुरोध किया गया। इस बात में सच्चाई हो सकती है, लेकिन असल मुद्दा उस अनुरोध के प्रति का ट्रंप का रहा व्यवहार है।

जानबूझकर विपक्ष खराब कर रहा देश की छवि

पश्चिमी एशिया और रूस-यूक्रेन की लड़ाई के चलते दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं हिचकोले खा रहीं हैं। ऐसे में जब यह आंकड़ा आए कि देश की जीडीपी की विकासदर 7.8 प्रतिशत रही है तो अव्वल तो खुशी का माहौल होना चाहिए था। लेकिन इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विवाद की बुनियाद बना है पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग का दावा। उनका कहना है कि जीडीपी आधार को 86 लाख करोड़ से घटाकर 80 लाख करोड़ कर दिया है। इस लिहाज से यह दर शून्य से लेकर 2.6 प्रतिशत तक ही बैठती है। सरकार के आंकड़ों की कोई पूर्व रसूखदार अधिकारी खिल्ली उड़ाए और उसे विपक्ष न ले उड़ता तो हैरत ही होती। लेकिन ऐसा हो रहा है। इसकी वजह यह है कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ी वैचारिक खाई निजी खुन्नस और दुश्मनी तक पहुंच गई है। इस वजह से दोनों ही पक्षों में एक-दूसरे को लेकर भरोसे का रिश्ता नहीं रह गया है। यही वजह है कि देश को जोड़ने और आगे बढ़ाने वाले जब भी कोई मुद्दा या आंकड़ा सामने आता है, विपक्ष उसकी विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े करने लगता है।

ऐसा नहीं कि अतीत में विपक्ष सरकार को नहीं घेरता रहा है। लेकिन तब भी यह ध्यान रखा जाता था कि राष्ट्रीय हितों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को लेकर ऐसे कदम न उठाए जाएं या ऐसे बयान न दिए जाएं, जिससे देश की छवि पर आंच पहुंचे। अगर ऐसा नहीं होता तो मानवाधिकार के मामले पर नेता प्रतिपक्ष पाकिस्तान की मुखालफत करने के लिए जेनेवा जाने वाले सरकारी दल की अगुआई नहीं करता। पीवी नरसिंह राव की सरकार ने तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष अटल बिहारी वाजपेयी को ना सिर्फ भारतीय प्रतिनिधिमंडल दल का नेता बनाकर भेजा था, बल्कि पाकिस्तान के इरादे को नेस्तनाबूद करके लौटे प्रतिनिधिमंडल का प्रोटोकाल तोड़कर दिल्ली के हवाई अड्डे पर स्वागत भी किया था। भारत ने जब-जब परमाणु परीक्षण किया, तत्कालीन विपक्ष उसके साथ रहा। वाजपेयी के पोखरण परीक्षण के बाद तो अमेरिका ने भारत पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे, लेकिन कांग्रेस ने तब भी वाजपेयी सरकार पर सवालिया निशान नहीं लगाए थे। लेकिन आज के दौर में अगर मोदी सरकार ऐसा कोई परीक्षण करती है तो उससे आज का विपक्ष सबूत मांगेगा। यह भी हो सकता है कि विदेशी धरती पर जाकर राहुल गांधी इसका प्रत्यक्ष सबूत और परीक्षण की पूरी प्रक्रिया की जानकारी मांग दें।

ठीक इसी तरह जीडीपी के आंकड़ों को लेकर भी मोदी सरकार को झूठा ठहराने की कोशिश हो रही है। चीन गलवान कांड के दौरान भारतीय सीमावर्ती कमांड के चीफ रहे जनरल को बर्खास्त कर देता है, फिर भी राहुल गांधी की अगुआई में विपक्ष अब भी प्रचारित करने से परहेज नहीं कर रहा है कि गलवान घाटी में भारतीय सेना को चीन ने हराया और चीन भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। ऐसी बयानबाजी अगर एक-दो बार होती तो उसे अनदेखा भी किया जा सकता था। लेकिन विपक्ष, विशेषकर राहुल गांधी की ओर से बार-बार ऐसे बयान दिए जाते हैं, जिसका संकेत तो यही लगता है कि वे भारत की छवि को खराब कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी विपक्ष की इस प्रवृत्ति को राष्ट्रीयता बनाम राजनीति के बहस के दायरे में लाकर राहुल गांधी पर सवालों की बौछार करती रहती है। यह बात और है कि ऐसे ही बयान देने या उनका समर्थन करने वाले अखिलेश यादव और चंद्रशेखर रावण जैसे नेताओं के बयानों को नोटिस तक नहीं लेती।

वैसे विदेशों में भारतीय व्यवस्था पर बार-बार सवाल उठाया गया है। मसलन राहुल गांधी ने बोस्टन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। तब उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है और इसके सिस्टम में 'बहुत गलत' है। हालांकि चुनाव आयोग ऐसे आरोपों का जवाब देता रहा, लेकिन विपक्ष की जुबान नहीं रूकी। इसी तरह बीते लोकसभा चुनाव के बाद अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में राहुल ने कहा था, 'भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा हुआ है, अब यह लड़ रहा है।' इसी तरह सितंबर 2023 में राहुल ने यूरोपीय यूनियन को संबोधित करते हुए ब्रसेल्स में कहा था कि भारत में भेदभाव और हिंसा बढ़ रही है। इस तरह के बयानों से राहुल जहां भारत के आंतरिक मामलों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाते रहे हैं, वहीं इसके जरिए वे भारतीय संस्थाओं को खुद ही बदनाम करते हैं। इसी तरह मई 2022 में लंदन में 'आइडियाज फॉर इंडिया' सम्मेलन में राहुल ने कहा था कि भारतीय संस्थाएं 'परजीवी' बन गई हैं। तब उन्होंने भारतीय संस्थाओं मसलन सीबीआई और ईडी को 'डीप स्टेट' कह दिया था। इतना ही नहीं, उन्होंने भारत की तुलना पाकिस्तान से भी कर दी।

राहुल ने 2018 में सिंगापुर के ली कुआन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी में कहा था कि भारत में 'डर और नफरत' का माहौल है और बहुलता की विचारधारा खतरे में है। इसी तरह जनवरी 2018 में बहरीन में प्रवासी भारतीयों के सम्मेलन में राहुल ने कहा था कि सरकार बेरोजगारी से निपटने में नाकाम रही है। जिसका असर गुस्से और नफरत के रूप में दिख रहा है। इसी तरह 2017 में उन्होंने अमेरिका में कहा था कि भारत अब वह नहीं रहा, जहां हर कोई कुछ भी कह सकता है। ऐसे बयानों से अक्सर वे भारत को ही सवालों के घेरे में रखते हैं और इस तरह देश की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। उनके ऐसे बयानों को बाद में समूचा विपक्ष और ले उड़ता है और जगह-जगह भारतीय छवि को नुकसान पहुंचाता है। कुछ ऐसा ही इस बार जीडीपी को लेकर हो रहा है।

1991 के बाद के दौर इस वक्त याद आना लाजमी है। राजीव गांधी की हत्या के बाद उपजी सहानुभूति के बावजूद कांग्रेस को आम चुनाव में बहुमत नहीं मिला। तब नरसिंह राव की अगुआई में कांग्रेस की अल्पमत की सरकार चलती रही। उस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 120 सीटें मिलीं थीं। इतनी ताकत के बावजूद बीजेपी ने आर्थिक सुधार के मोर्चे पर कांग्रेस की सरकार को बहुत सहयोग किया। सहयोग करने के लिए बीजेपी ने संसद की कार्यवाही से बहिर्गमन करने का रास्ता चुना था।

मुद्दों पर वह सरकार को सदन में घेरती थी, लेकिन जब भी मतदान की नौबत आती, बीजेपी बाहर निकल जाती थी। इस तरह बीजेपी विरोध भी करती थी और सरकार का परोक्ष साथ भी देती थी। लेकिन आज की स्थिति देखिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष में भरोसे का रिश्ता ही नहीं रहा। विपक्ष सिर्फ तीर साधे रहता है और उसकी अगुआई अक्सर राहुल गांधी करते हैं। बाकी विपक्ष उनके साथ कोरस गान में शामिल हो जाता है। वाजपेयी की अगुआई वाली सरकार ने जब परमाणु परीक्षण किया था, तब कांग्रेस ने भी कमोबेश साथ दिया था। जबकि आज की तुलना में अमेरिका ने भारत विरोध में कहीं ज्यादा कड़े कदम उठाए थे। कई तरह की आर्थिक पाबंदियां भी लगाई थीं। तब चाहती तो कांग्रेस वाजपेयी सरकार को रोज कठघरे में खड़ा करती। तब कह सकते हैं कि कांग्रेस के नेतृत्व में ऐसे लोगों का वर्चस्व जरूर था, जो राष्ट्रीय हितों और तकाजों को समझते थे। सवाल यह है कि क्या ऐसी सोच आज की राजनीति विकसित नहीं कर सकती ?

विपक्ष को भूलना नहीं चाहिए कि ऐसे सवाल उठाकर वह भारतीय सरकार को नहीं, भारत की छवि को खराब कर रहा है। उसे देखना होगा कि भारत के आंकड़ों को विश्व बैंक ने भी मान्यता दे दी है। ऐसे में सवाल विपक्षी सोच पर भी उठता है। उसे भी सोचना होगा कि राष्ट्रीय विकास और हित में उसकी भी अपनी सकारात्मक भूमिका है और उसे निभाना होगा।

एआई इंसानों को भी खत्म कर देगा, 2030 तक ला देगा दुनिया में कैसी तबाही!

मेल लिखवाना हो, 80 के दशक वाली फोटो बनवानी हो, किसी कंपनी का कारोबार खंगालना हो या एक लाइन के आईडिया से पूरी फिल्म की स्क्रिप्ट लिखनी हो, एआई सब कुछ एक सांस में कर सकता है। यह भी कह देता है कि आप चाहे तो मैं इसका वो वाला वर्जन बना दूं जो बिल्कुल ऐसा लगे कि इंसान ने बनाया है। लेकिन क्या एआई इंसान के अस्तित्व के लिए भी भविष्य में कभी खतरा बन सकता है। खतरे की बात गाहे बगाहे कही जाती रही है। लेकिन अब एक बड़ा डेवलपमेंट हुआ। एआई बनाने वाली दुनिया की एक बड़ी कंपनी एंथ्रोपिक के रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने कंपनी छोड़ दी है।

एंथ्रोपिक कंपनी के रिसर्च स्कॉलर जेकब कॉक्सन ने अपने इस्तीफे की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दी। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा एंथ्रोपिक और ओपन एआई जैसी कंपनियां तेजी से इंसानों से भी ज्यादा समझदार एआई यानी कि सुपर इंटेलिजेंस बनाने की होड़ में लगी हुई हैं और यह लापरवाही लोगों की जिंदगी को खतरे में डाल रही है। ऐसा क्या हुआ जिसने एंथ्रोपी के कर्मचारी को इस्तीफा देने पर मजबूर कर दिया। जैकब कॉक्सन ने एक्स पर एक लंबा थ्रेड पोस्ट करते हुए इसका कारण बताया है। कॉक्सन का दावा यह था कि एआई लैब के अंदर लोग इस खतरे को अच्छी तरह समझते हैं। फिर भी काम चलता जा रहा है। एआई बनाने वाले भी यह मानते हैं कि एआई हम सभी को खत्म कर देगा। कॉक्सन ने आगे यह भी लिखा कि बड़ी-बड़ी कंपनियों के अधिकारी और रिस्चरर्स मीडिया के सामने तो बहुत सोच समझकर और जिम्मेदारी से भरी बातें करते हैं। लेकिन मैंने उन्हें लोगों को प्राइवेट में डर जताते हुए सुना है। यह लोग जो सिस्टम बनाए जा रहे हैं वो किसी भी चीज को हैक कर सकता है। रातोंरात किसी भी इलाके में क्रांति ला सकता है और असली ताकत और रिसोर्सेज हासिल कर सकता है और यह ग्रोथ बिल्कुल भी धीमी नहीं पड़ रही है। उन्होंने उन दोनों कंपनियों के बीच का फर्क भी साफ किया जहां उन्होंने काम किया था। उन्होंने लिखा ओपन एआई में कई लोगों ने इस खतरे को गंभीरता और सिविलाइजेशन पर पड़ने वाले असर को गहराई से महसूस नहीं किया।

एआई को लेकर चेतावनी इसलिए भी गंभीर है क्योंकि जितने शक्तिशाली मॉडल बन रहे हैं, उनके भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया उतनी ही जटिल और कम पारदर्शी होती जा रही है। ऐसा नहीं है कि यह स्थिति अचानक आई। मार्च 2023 में इलॉन मस्क, एपल के को-फाउंडर Steve Wozniak समेत कई हस्तियों ने AI के डिवेलपमेंट को लेकर चेताया था। इसके अलावा, एक बड़ी चिंता पर्यावरण को लेकर है। भारी-भरकम सर्वर और डेटा सेंटर बहुत बड़ी मात्रा में बिजली-पानी की खपत कर रहे हैं। इनकी वजह से कार्बन उत्सर्जन बढ़ रहा है। हालांकि इन सारी बातों का यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि तकनीक को यहीं पर रोक दिया जाए। AI ने मेडिकल, एजुकेशन, साइंस, रिसर्च और एग्रो सेक्टर में बड़े बदलाव की क्षमता दिखाई है। आज संसाधनों पर जितना दबाव है और दुनिया के सामने जिस तरह की चुनौतियां हैं, उनमें AI सहयोगी हो सकती है।

OpenAI के मुख्य वैज्ञानिक जैकब ने हाल में कहा था कि् ढ्ढ जिस रफ्तार से आगे बढ़ रही है, उसके लिए इंसान तैयार नहीं हैं। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की सुरक्षा और निगरानी पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। सरकारों और दूसरी संस्थाओं को भी इसमें भूमिका निभानी होगी। केवल कंपनियों के भरोसे सब नहीं छोड़ा जा सकता। बेलगाम होड़ के बजाय सिक्योरिटी को प्राथमिकता देनी चाहिए और सबसे जरूरी, इस क्षेत्र से जुड़ी आवाजों को गंभीरता से सुनना चाहिए।

एंथ्रोपिक में काम करने वाले उनके दो साथियों ने भी इस बात का समर्थन किया है। एंथ्रोपिक के अलाइनमेंट साइंस लीड इवान ह्यूमबिगर ने वार्निंग दी है कि आने वाले 10 सालों में एआई की वजह से इंसानों का वजूद खतरे में पड़ने की 10% से ज्यादा आशंका है। उन्होंने साफ कहा कि उनकी कंपनी बेहतर कोशिश तो कर रही है लेकिन एआई को काबू में रखने के लिए अभी तक उनके पास कोई ठोस प्लान नहीं है। यूबिंगर के मुताबिक असली खतरा आज के एआई से नहीं बल्कि उस सुपर एआई से है जो खुद को तेजी से और बेहतर बनाने में लगा हुआ है। इसी एंथ्रोपिक के एक दूसरे एंप्लॉय ने तस्वीर को और ज्यादा क्लियर करने के लिए पांच पॉइंट्स को भी सामने रखा। एंथ्रोपिक के साइंस ग्रुप में कॉग्निटिव ओवरसाइट टीम के हेड सेमुअल मार्क्स ने एक पोस्ट के जरिए पूरी स्थिति को समझाया। उनका पहला पॉइंट यह था कि एआई डेवलपर्स का खुद यह मानना है कि उनकी तकनीक कुछ ही सालों में इंसानी वजूद को पूरी तरह खत्म कर सकती है और यह चिंता सीनियर कर्मचारियों में सबसे ज्यादा है। दूसरा इसके बावजूद भी वो सिर्फ बिजनेस के फायदों और इस सोच की वजह से काम जारी रखे हुए हैं कि वह खुद से कम जिम्मेदार कॉम्पिटिट से आगे निकलने की होड़ में है। तीसरा एआई को आर्म सॉफ्टवेयर की तरह प्रोग्राम नहीं किया जा सकता। यह मिसबिव करने लग जाता है। चौथा पॉइंट मौजूदा तरीका एआई को बेहतर बिहेव करने के लिए कह सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह से सुरक्षित और काबू में नहीं कर सकता। पांचवा कंपनी के कई कर्मचारी एआई को ज्यादा सेफ तरीके से बनाने के लिए रास्ते ढूंढने के लिए रफ्तार को बेहद धीमी करना चाहते हैं।

कॉक्सन का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब एंथ्रोपिक अपना आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। खबरें बता रही है कि यह इतिहास के सबसे बड़े आईपीओ में से एक हो सकता है। कंपनी की संभावित वैल्यूयूएशन करीब 2 ट्रिलियन तक होने की खबरें हैं। जेकब के इतने बड़े आरोप हैं जिसमें यह भी शामिल है कि इसी डेकेड के आखिर तक इंसानियत के लिए एआई खतरा पैदा कर सकता है। एंथ्रोपिक ने फिलहाल इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन एंथ्रोपिक में अलाइनमेंट साइंस के लीड इवान गुबिंगर ने जैकब के बयान पर सहमति जताई है। एक्स पर लिखा कि हम सच में मानते हैं कि एआईए सभी इंसानों को मार सकता है। मेरा अनुमान है कि अगले 10 साल में ऐसा होने की संभावना 10% ज्यादा है। मेरा विश्वास है कि एंथ्रोपिक अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहा है। लेकिन सुपर इंटेलिजेंस को पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रित रखने का कोई पक्का प्लान अभी हमारे पास नहीं है और हम उस दिशा में स्पष्ट रूप से आगे भी नहीं बढ़ रहे। और यह चिंताएं लगातार उठाई जा रही हैं।

बच्चों के लिए टूथपेस्ट खरीदते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान

बच्चों के दांतों की सही देखभाल करना बहुत जरूरी है। उनके दांतों को मजबूत और स्वस्थ बनाए रखने के लिए सही टूथपेस्ट का चुनाव करना अहम होता है। बच्चों के लिए ऐसा टूथपेस्ट चुनें, जो उनके नाजुक दांतों की सुरक्षा करे और उनकी सेहत को नुकसान न पहुंचाए। कई बार बिना जानकारी के टूथपेस्ट खरीद लिया जाता है, जो सही नहीं होता। इसलिए आइए जानते हैं कि बच्चों के लिए टूथपेस्ट खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

बच्चों के लिए फ्लोराइड वाला टूथपेस्ट चुनना बहुत जरूरी होता है। फ्लोराइड दांतों को सडने़ से बचाने में मदद करता है और दांतों की बाहरी परत को मजबूत बनाता है। यह दांतों में कैविटी बनने से रोकता है और उन्हें लंबे समय तक स्वस्थ बनाए रखता है। जब भी बच्चों के लिए टूथपेस्ट खरीदें तो यह जरूर जांच लें कि उसमें फ्लोराइड की सही मात्रा हो।

बच्चों के लिए टूथपेस्ट हमेशा ऐसा होना चाहिए, जिसमें शक्कर न हो। शक्कर दांतों की सडन् का मुख्य कारण होती है। अगर टूथपेस्ट में शक्कर होगी तो वह दांतों को साफ करने के बजाय नुकसान पहुंचा सकती है। शक्कर रहित टूथपेस्ट दांतों को सुरक्षित रखता है और बच्चों के मसूड़ों को भी दिक्कत से बचाता है। ऐसे टूथपेस्ट का इस्तेमाल करने से बच्चों के दांत लंबे समय तक मजबूत रहते हैं। बच्चों के लिए टूथपेस्ट का स्वाद भी बहुत मायने रखता है। अगर टूथपेस्ट का स्वाद बच्चों को पसंद आएगा, तो वे ब्रश करने में रुचि दिखाएंगे। यह उनकी दांत साफ करने की आदत को मजबूत बनाएगा। बाजार में कई तरह के फलों और मीठे स्वाद वाले टूथपेस्ट उपलब्ध हैं, जो बच्चों को आकर्षित करते हैं। सही स्वाद वाला टूथपेस्ट चुनने से बच्चों को ब्रश करना मजेदार लगेगा और वे इसे नियमित रूप से करेंगे। बच्चों के टूथपेस्ट की पैकेजिंग पर ध्यान देना भी जरूरी है। पैकेजिंग साफ और बच्चों के लिए इस्तेमाल करने में आसान होनी चाहिए। ऐसी पैकेजिंग चुनें, जिससे बच्चे आसानी से टूथपेस्ट निकाल सकें और खुद ब्रश करना सीख सकें। पैकेजिंग पर लिखी जानकारी को पढ़कर यह सुनिश्चित करें कि टूथपेस्ट में कोई हानिकारक चीज न हो।

सो, बाबू मोशाय, जिंदगी बड़ी होनी चाहिए लंबी नहीं

आनंद फिल्म में हीरो का एक लाजवाब वाक्य है, बाबू मोशाय, जिंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं। और मेरे हिसाब से भारत के प्रधानमंत्रियों को परखने का भी यह एक सत्व-तत्व है। लालबहादुर शास्त्री, पीवी नरसिंह राव, अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल लंबा नहीं हुआ मगर बड़ा था। शास्त्री ने 1965 के युद्ध की चुनौती में ठोस लीडरशिप से वह कमाल किया, जिसने देश के मनोबल को ऊंचाई दी। नरसिंह राव मौनी थे, पर पंजाब, कश्मीर, उत्तर-पूर्व में अलगाववाद और आतंकवाद की कमर दृढ़ता से तोड़ी तो आर्थिक सुधारों और कूटनीति से वह दिशा बनाई, जिससे हिंदू विकास दर की जड़ता खत्म हुई। ऐसे ही वाजपेयी हों या डॉ. मनमोहन सिंह, इन्होंने देश और पूरे समाज को साथ लेकर चलने की कोशिश की। अमेरिका से परमाणु करार कर भारत का दशकों पुराना परमाणु अछूतपन खत्म किया। भारत दुनिया की तेजी से उभरती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाने लगा।

पर इनमें से एक भी प्रधानमंत्री ने (या नेहरू, इंदिरा गांधी, मोरारजी आदि किसी ने भी) अपनी सत्ता के पांच, दस, पंद्रह साल होने का तमाशा नहीं बनाया। अपना कीर्तन नहीं करवाया। सत्ता को नौटंकी नहीं बनाई। देश को विश्व राजनीति में लुढ़कता लोटा नहीं बनाया, बल्कि अपनी बुद्धि, वाणी और गरिमा से भारत की पहचान बनवाई। जबकि नरेंद्र मोदी के लंबे पच्चीस साला पावर में क्या ऐसा एक भी बड़ा काम है? क्या उनके कार्यकाल से भारत की संस्थागत क्षमता, उत्पादकता या सामाजिक शक्ति की श्रीवृद्धि हुई या उलटे बरबादी हुई? बतौर मुख्यमंत्री उनका गुजरात मॉडल हो या बतौर प्रधानमंत्री 'अच्छे दिन', अमृतकाल, विकसित भारत जैसे सैकड़ों जुमले, किसी भी एक की असलियत, गहराई और परिणामों को यदि जांचें तो अल्टीमेटली वही सत्य उभरेगा, जिनसे उनका कार्यकाल सुधीजनों से चिह्नित हुआ है। हां, लालकृष्ण आडवाणी ने अप्रैल 2014 में कहा था मैं नरेंद्र भाई को अपना चेला नहीं कहूंगा, लेकिन मैंने उनसे अधिक प्रतिभाशाली और कुशल इवेंट मैनेजर कभी नहीं देखा। अटल बिहारी वाजपेयी ने चार अप्रैल 2002 को अहमदाबाद में मोदी को राजधर्म याद कराते हुए कहा था, 'राजा और शासक के लिए प्रजा-प्रजा में भेद नहीं हो सकता, न जन्म के आधार पर, न जाति के आधार पर, न संप्रदाय के आधार पर'। एक और उदाहरण 'इंडिया टुडे' पत्रिका की गुजरात चुनाव जीतने के बाद की यह कवर स्टोरी है, 'मास्टर डिवाइडर' (6 जनवरी 2003)। फिर मोदी ने दिल्ली में सत्ता संभाली तो अरुण शौरी का यह अविस्मरणीय कथन सुनाई दिया कि सरकार आर्थिकी नहीं चला रही है, बल्कि वह हेडलाइंस का प्रबंधन कर रही है। फिर नोटबंदी हुई तब अरुण शौरी ने उसे अब तक की सबसे बड़ी मनी-लॉन्ड्रिंग स्कीम और बेवकूफी भरा झटका कहा था। चार अलग समय, अलग संदर्भ और अलग-अलग वर्णन, राजधर्म, मास्टर डिवाइडर, इवेंट मैनेजर और हेडलाइन मैनेजमेंट। पच्चीस साल बाद इनमें से कौन-सा वर्णन अप्रासंगिक हुआ? पूरे पच्चीस वर्षों की यही पहचान है। बावजूद इसके नरेंद्र मोदी थकते नहीं हैं। उनका शो, तमाशा कभी ठिठकता या रुकता नहीं। और मैं क्योंकि नरेंद्र मोदी का प्रारंभ से प्रत्यक्षदर्शी हूं तो इस मजेदार रियलिटी को भी जानें। गुजरात के सीएमओ का प्रशासन जब पीके मिश्रा, कैलाशनाथन, एपी शर्मा जैसे अफसर संभालते थे, तब भी नरेंद्र मोदी जनसंपर्क अधिकारी जगदीश ठक्कर के साथ बैठकर प्रेस रिलीज बनवाते थे और 'गुजरात समाचार', 'संदेश' आदि में हेडलाइन प्रबंधन स्वयं संभालते थे। दिल्ली आए तो वे जगदीश ठक्कर को भी साथ लेकर आए। तब उनकी प्राथमिकता समाचार पत्र थे। फिर टीवी हुआ। ठक्कर की मृत्यु के बाद मोदी ने हीरेन जोशी को आगे किया। राष्ट्रीय मीडिया को मोदी दुकान बनाया। अखबार, टीवी चैनलों की क्रेडिबिलिटी खत्म हुई तो सोशल मीडिया का प्रबंधन शुरू हुआ। और अब वक्त इंस्टाग्राम का है तो रील्स बना कर अपना मुखड़ा युवाओं के गले उतार रहे है।

पूर्वी प्रांत ने कैसे लिया राइट टर्न, जर्मनी के सबसे खतरनाक आदमी को मिलने वाली है सत्ता?

किस तरह एक विधानसभा चुनाव ने जर्मनी के भीतर भौगोलिक और वैचारिक दरार को इतना पुख्ता कर दिया है कि इसे देश के आधुनिक दौर का सबसे खतरनाक पल माना जा रहा है और क्यों जर्मनी के एक असेंबली रिजल्ट से पुतिन बहुत खुश होंगे। इस बरस 3 अक्टूबर को जर्मनी अपना 36वां टाक डे डचिन आइनहाइट मनाएगा यानी एकीकरण दिवस। 3 अक्टूबर 1990 को दो हिस्सों में बटे जर्मनी के एक होने की सालगिरह। उसी दिन जर्मन डेमोक्रेटिक रिपब्लिक जीडीआर आधिकारिक रूप से खत्म हो गया। लेकिन जमीन पर जर्मनी के दो हिस्सों का बंटवारा कायम रहा और यह विभाजन लगातार गहराता गया और इसी की एक परिणति हुई इस 6 सितंबर को बैलेट पेपर के जरिए। जर्मनी के 16 राज्यों में से एक आकार में बम मुश्किल भारत के मणिपुर या मिजोरम जितना बड़ा करीब सवा 5 लाख की आबादी। एएफडी

यानी अल्टरनेटिव फॉर डचैंड। 2026 में 39 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी 2021 के चुनाव में इसे 23 सीटें मिली थी। सीडीयू यानी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन। जर्मनी में अभी केंद्र में जो सरकार है उसका नेतृत्व इसी के पास है और सेक्सनी अनहल्ट में राज्य सरकार को भी यही इसी यही पार्टी लीड कर रही थी। ताजा चुनाव में उसे मिली 15 सीटें। पिछले चुनाव में मिली थी 40 सीटें। डी लिंकर यानी लेफ्ट पार्टी को अभी मिली आठ, 2021 में 12 सीट, एसपीडी यानी सोशल डेमोक्रेट्स को 2026 में आठ सीट, 2021 में नौ सीट, ग्रीस को अभी आठ, 2021 में छह सीट, बीएसडब्ल्यू यानी ज़ारा वागन क्लिष्ट पार्टी को पांच सीट।

35 साल के उलरिष जिगमुंड 2016 से सैक्सनी अनहाल्ट की विधानसभा के सदस्य है। सोशल मीडिया पर अच्छी पकड़ है। माना जाता है कि उनकी जीत में Gen Z के समर्थन का बड़ा हाथ है। वह अपनी पार्टी के कट्टरपंथी नेताओ के मुकाबले ज्यादा नरम माने जाते है। जिगमुंड ने कहा कि लोगों ने साफ कर दिया है कि वे राजनीतिक बदलाव चाहते हैं। जीत से पूरे यूरोप में खलबली मची है। जर्मनी में जिन वजहों से पार्टी को जीत मिली, वैसे मुद्दे ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, स्पेन में भी उठाए जाते रहे है। अगले साल फ्रांस, इटली, स्पेन में चुनाव है, जहां धुर-दक्षिणपंथी नेता मजबूत हो रहे है। ये ढ्ढष्ठ के तरीकों का इस्तेमाल कर चुनाव जीतने की कोशिश कर सकते है। पर इन नेताओं का सत्ता में आना उदारवादी लोकतंत्र के लिए बुरी खबर है। रूस ने इस जीत को ऐतिहासिक बताया है। फ्रांस ने इसे पूरे यूरोप के लिए गंभीर समय बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर नतीजे की तस्वीर साझा की।

एक प्रतिष्ठित जर्मन पत्रिका है डे एश पीगल। 14-15 अगस्त को आई मैगज़ीन की कवर स्टोरी पर उलश की तस्वीर थी। शीर्षक था जर्मनी में सबसे खतरनाक इंसान ना उलरिश और ना उनके समर्थकों को इस विशेषण से कोई फर्क पड़ा बल्कि वो इसे कॉम्प्लीमेंट की तरह सराते दिखे।

ईशान खट्टर ने द रॉयल्स सीजन 2 के लिए शुरू की कड़ी ट्रेनिंग

ईशान खट्टर जल्द ही द रॉयल्स सीजन 2 में अविराज सिंह के रोल में वापसी करने वाले हैं। नए सीजन से पहले एक्टर ने अपनी फिटनेस पर काम करना शुरू कर दिया है, जिसकी झलक उनकी लेटेस्ट फोटोज में साफ दिख रही है। ईशान ने सोशल मीडिया पर जिम की कुछ ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोज में वह जमकर वर्कआउट करते नजर आ रहे हैं। उनकी फिटनेस देखकर फैन्स भी काफी इंप्रेस हैं। इंस्टाग्राम पर अपनी सुपरहॉट फोटोज को ईशान ने द रॉयल्स के पहले सीजन में ईशान ने अविराज सिंह का किरदार निभाया था। उनके रॉयल अंदाज, स्टाइल और स्क्रीन प्रेजेंस को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। खासकर उनका प्रिंस लुक फैन्स के बीच काफी चर्चा में रहा था। अब सीजन 2 में ईशान एक बार फिर इसी रोल में नजर आएंगे। ऐसे में उनकी नई फिटनेस फोटोज ने फैन्स की एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। हालांकि नए सीजन में अविराज की कहानी किस तरह आगे बढ़ेगी, इसे लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन ईशान का नया लुक देखकर इतना जरूर लग रहा है कि उन्होंने अपने रोल के लिए तैयारी शुरू कर दी है।ईशान ने द रॉयल्स के पहले सीजन के लिए भी काफी मेहनत की थी। अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाने के लिए उन्होंने वेट ट्रेनिंग के साथ हॉर्स राइडिंग भी सीखी थी। उनके रोल में सिर्फ रॉयल कपड़े और लुक ही नहीं था, बल्कि उनकी बॉडी लैंग्वेज पर भी खास ध्यान दिया गया था। अब सीजन 2 के लिए भी ईशान उसी तरह मेहनत करते नजर आ रहे हैं। उनकी जिम फोटोज से पता चलता है कि वह अपनी फिटनेस को लेकर काफी सीरियस हैं। इस बार उनके लुक में कितना बदलाव देखने को मिलेगा। ईशान खट्टर ने अब तक कई अलग तरह के प्रोजेक्ट्स में काम किया है। बियॉन्ड द क्लाउड्स और अ सूटेबल बॉय जैसे प्रोजेक्ट्स के बाद वह इंटरनेशनल सीरीज द परफेक्ट कपल में भी नजर आए। वहीं द रॉयल्स में उनके अविराज के किरदार को भी दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला। अब एक्टर एक बार फिर अविराज बनकर लौटने की तैयारी में हैं। फिलहाल सीजन 2 की कहानी को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन ईशान की नई फोटोज ने शो को लेकर फैन्स की एक्साइटमेंट जरूर बढ़ा दी है। ऐसे में अब फैन्स को इंतजार है कि नए सीजन में अविराज की कहानी किस मोड़ पर जाएगी और ईशान इस किरदार में क्या नया लेकर आएंगे। उनकी लेटेस्ट फिटनेस फोटोज को देखकर इतना तो साफ है कि इस बार भी ईशान अपने रोल के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं।

घाट पर मन्नत मांगती दिखीं तमन्ना

बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और सिद्धार्थ मल्होत्रा की अपकमिंग फिल्म 'द वन' इन दिनों अपनी कहानी के साथ-साथ अपने अलग अंदाज के कारण भी चर्चा में है। फिल्म से जुड़ा छठी मैया का गीत रिलीज हो चुका है और रिलीज के साथ ही इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। गाने में तमन्ना भाटिया छठ पूजा करते हुए नजर आती हैं। 'द वन' का टीजर रिलीज होने के बाद से ही फिल्म के छठ पूजा वाले हिस्से ने दर्शकों का ध्यान खींचा था। टीजर में तमन्ना को छठी मैया की पूजा करते हुए देखकर फैंस के मन में यह जानने की उत्सुकता थी कि फिल्म में इस पूजा का कहानी से क्या संबंध है। अब मेकर्स ने इसी भाव को एक पूरे गीत के जरिए सामने रखा है। गीत में तमन्ना का किरदार पूरी श्रद्धा के साथ छठ पूजा करता दिखाई देता है और घाट का माहौल भी कहानी को भावनात्मक रंग देता है।फिल्म की कहानी में तमन्ना का किरदार एक खास मनोकामना को लेकर छठ पूजा करता है। दिलचस्प बात यह है कि बताया गया है कि वह अपने पति की इच्छा के खिलाफ यह पूजा करती है।यही वजह है कि गीत केवल धार्मिक माहौल तक सीमित नहीं रहता, बल्कि किरदार के भीतर चल रहे भावनात्मक संघर्ष को भी दिखाता है। 'द वन' के इस छठ गीत को विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। गीत के बोल कौशल किशोर ने लिखे हैं, जबकि इसकी धुन भी विशाल मिश्रा ने तैयार की है। आवाज, शब्द और गीत का विजुअल मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं, जो फिल्म की रहस्यमयी कहानी के बीच आस्था का एक अलग पहलू दिखाता है। छठ पूजा से जुड़े भावों को कहानी के साथ जोड़ने की कोशिश दर्शकों के लिए भी दिलचस्प नजर आ रही है।छठी मैया का गीत रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर भी इसकी चर्चा तेज हो गई है। कुछ ही समय में गाने को बड़ी संख्या में व्यूज मिलने लगे और दर्शकों ने इसके विजुअल और तमन्ना के किरदार की तारीफ की। खासतौर पर यूपी, बिहार और झारखंड से जुड़े दर्शकों के बीच छठ पूजा की झलक होने के कारण गीत को लेकर खास उत्सुकता देखने को मिल रही है। 'द वन' को एक सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म बताया जा रहा है, जिसकी कहानी बिहार के वन देवी मंदिर और एक रहस्यमयी जंगल की पृष्ठभूमि से जुड़ी है। कहानी एक ऐसे शख्स के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शहर में पला-बढ़ा है और अपने पुश्तैनी गांव लौटता है। गांव पहुंचने के बाद उसे एक ऐसे जंगल के बारे में चेतावनी दी जाती है, जिसे लेकर स्थानीय लोगों के बीच कई डरावनी मान्यताएं हैं। वह इन बातों को अंधविश्वास समझकर नजरअंदाज कर देता है, लेकिन आगे कहानी में रहस्य और खतरा दोनों गहराते जाते हैं। ञ्द्धद्द ड्क1ड्डुड्ठ को लेकर अभी से दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है। एक तरफ सुपरनैचुरल कहानी और दूसरी तरफ छठ पूजा जैसे मजबूत सांस्कृतिक संदर्भ फिल्म को अलग पहचान दे रहे हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर कितनी खरी उतरती है।

समय रैना ने शारोन वर्मा संग डेटिंग पर तोड़ी चुप्पी

कॉमेडियन समय रैना इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उनका नाम स्टैंड-अप कॉमेडियन शेरोन वर्मा के साथ जोड़ा जा रहा था। शेरोन को इंडियाज गॉट लेटेंट से पहचान मिली और शो में उनके मजेदार अंदाज को काफी पसंद किया गया। इंडियाज गॉट लेटेंट 2 में समय और शेरोन की मस्ती और नोकझोंक देखने के बाद दोनों की डेटिंग की खबरें सोशल मीडिया पर फैलने लगी थीं। अब समय ने खुद इन खबरों पर अपना रिएक्शन दिया है। समय रैना ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन किया था। उन्होंने फैन्स से कहा था कि उनसे सिर्फ जेन्युइन सवाल पूछें। इसी दौरान एक फैन ने उनसे सीधा सवाल कर दिया कि क्या वह शेरोन वर्मा को डेट कर रहे हैं? समय ने इस सवाल को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया और जवाब दिया, "No brother, just internet doing its thing." यानी वह शेरोन को डेट नहीं कर रहे हैं और ये सब सिर्फ इंटरनेट पर चल रही अफवाहें हैं। समय के इस जवाब के बाद शेरोन के साथ उनके रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों पर फिलहाल फुलस्टॉप लग गया है।समय और शेरोन की डेटिंग की खबरें इंडियाज गॉट लेटेंट 2 के एक एपिसोड के बाद चर्चा में आई थीं। शो में शेरोन पैनलिस्ट के तौर पर नजर आई थीं। दोनों के बीच काफी मजेदार बातचीत और नोकझोंक देखने को मिली थी। उनकी इस बॉन्डिंग को देखकर कई फैन्स को लगा कि दोनों के बीच सिर्फ दोस्ती से ज्यादा कुछ है। इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों के कई वीडियो और क्लिप्स वायरल होने लगे। कुछ फैन्स ने तो दोनों की केमिस्ट्री को लेकर पोस्ट और एडिट्स भी शेयर किए। हालांकि, समय ने अब अपने जवाब से साफ कर दिया है कि शेरोन के साथ डेटिंग की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। शेरोन वर्मा को इंडियाज गॉट लेटेंट के पहले सीजन से पहचान मिली थी। वह शो में कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आई थीं और अपने स्टैंड-अप और मजेदार अंदाज से दर्शकों का ध्यान खींचा था।

'बिग बॉस 20' के घर में पहले कैप्टन का ताज सजते ही समीकरणों की नई बिसात बिछनी शुरू हो गई है. जिस सत्ता की कुर्सी के लिए कल तक रणनीति बन रही थी, आज उसी कुर्सी के गुरूर ने पुराने दोस्तों के बीच दीवार खड़ी कर दी. सुबह की घंटी 'पड़ोसी के चूल्हे से आग' गाने के साथ बजी, जहां एक तरफ काजी तौकीर ने पूरे घर के लिए चाय बनाई और गार्डन में एमसी मैरी कॉम के साथ हंसी-मजाक करते दिखे, वहीं दूसरी तरफ कैप्टन यंग डीएसए के एक फरमान ने घर के माहौल में बारूद भर दिया. बवाल की चिंगारी तब सुलगी जब कैप्टन यंग डीएसए ने कनिका मान के मेल के वॉशरूम में जाने पर खुला ऐतराज जताया. यंग का कहना था कि मेल वॉशरूम में लड़कियों का जाना उन्हें बिल्कुल गवारा नहीं है. उन्होंने कहा कि लड़कों के बाल वहां पड़े रहते हैं और अगर सारे लड़के लेडीज वॉशरूम में चले जाएं तो किसी को अच्छा नहीं लगेगा.यंग ने आरोप लगाया कि जब कनिका अंदर जा रही थीं, तो उन्होंने बाहर से आवाज दी थी लेकिन कनिका ने कोई जवाब नहीं दिया. यंग ने इसे अपनी और कैप्टेंसी की बेइज्जती बताते हुए कहा,फ़कनिका मेल वॉशरूम में गईं और मैं कनिका-कनिका कर रहा हूं, आवाज ही नहीं आ रहा, एक्नॉलेजमेंट तो दो!

कनिका मान का तीखा पलटवार

यंग के इस आक्रामक रुख पर कनिका मान का पारा भी चढ़ गया. उन्होंने साफ कहा कि उन्हें अंदर पानी चलने की वजह से कोई आवाज सुनाई नहीं दी. बात को बतंगड़ बनता देख कनिका ने सख्त लहजे में कहा,मैं वहां पानी चलाकर बैठी हूं, वहां बैठकर मंत्र नहीं पढ़ रही हूं. मैं अगर चली भी गई तो आराम से आकर बात कर सकते थे, इतना तहलका मचाने की क्या जरूरत थी? इस पर जब यंग ने चेतावनी दी कि उनकी डिसरिस्पेक्ट का मतलब घर के नियमों की तौहीन है और इसके लिए सबको सजा मिलेगी, तो कनिका ने सीधा हमला बोला कि वो यहां किसी को खुश करने नहीं आई हैं.

कनिका ने यंग को आईना दिखाते हुए कहा,एक सेकंड, कैप्टन ही बने हो, यहां के कोई बादशाह नहीं बन गए हो! यंग ने भी पलटकर जवाब दिया कि बादशाह ही रहा हूं बचपन से. इस पर कनिका ने दो-टूक सुनाते हुए कहा कि बादशाह है, तो अपने दिमाग में रहना, इधर मत रहना. फालतू के एक्सपेक्टेशन मत रखो कि तुम्हारे साथ जी-हुजूरी होगी, नहीं होगी.

टीवी बनाम यूट्यूबर्स

इस हाई-वोल्टेज ड्रामे के बीच मशहूर स्ट्रीमर स्काउट कूद पड़े और टीवी कलाकारों के ड्रामे पर भड़कते हुए बोले कि तुमलोगों की ये सीरियल वाली आदत खराब है. वहीं बात से परेशान यंग ने कहा कि उनकी भूख मर चुकी है और अब उन्हें कैप्टन नहीं रहना, सिर्फ पेट भरकर खाना खाना है. एक्टर्स पर कटाक्ष करते हुए यंग ने ईशा रिखी से कहा कि उन्हें टीवी एक्टर्स का कोई अता-पता नहीं था, क्योंकि जब ये लोग एक्टिंग कर रहे थे, तब 8वीं-9वीं तक उनके घर में टीवी तक नहीं था.

काजी का बेपरवाह अंदाज

लड़ाई-झगड़ों के बीच बिग बॉस ने घर के राशन को लेकर बड़ा ऐलान किया और कटौती करते हुए महज 30% राशन देने की बात कही. जहां पूरा घर राशन कटने से टेंशन में आ गया, वहीं काजी तौकीर मीटिंग के बीच से ही उठकर चल दिए. जब आसिफ खान ने उन्हें रुकने के लिए कहा तो काजी ने दो-टूक कह दिया कि ये मेरे और बिग बॉस का मामला है, तू क्यों बोल रहा? काजी ने अपनी बेफिक्री दिखाते हुए शेखी बघारी कि वो तो एक अंडे के दम पर भी 40 घंटे उसी एनर्जी के साथ गुजार सकते हैं. गौरतलब है कि 6 सितंबर से शुरू हुए इस महामुकाबले में 16 मशहूर चेहरे एक छत के नीचे कैद हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1607 मामलों का निपटारा, 28 दंपतियों के घर फिर बसे

10 बेंचों पर हुई सुनवाई, 9.81 करोड़ रुपये की समझौता राशि पर बनी सहमति; बैंक, यातायात, आपराधिक और वैवाहिक विवादों का हुआ समाधान

बक्सर (संवाददाता)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में शनिवार को वर्ष 2026 की तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय मनीष कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में आयोजित इस राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के कुल 1607 मामलों का निपटारा सुलह और समझौते के आधार पर किया गया। मामलों की सुनवाई और निष्पादन के लिए कुल 10 बेंचों का गठन किया गया था। राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटाए गए मामलों से संबंधित कुल 9 करोड़ 81 लाख 87 हजार 527 रुपये की समझौता राशि पर सहमति बनी। लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न बैंकों से जुड़े मामलों के निपटारे पर भी विशेष जोर रहा। बैंकों के कुल 790 मामलों का सुलह-समझौते के आधार पर निष्पादन किया गया, जिनमें 9 करोड़ 12 लाख 39 हजार 204 रुपये की समझौता राशि पर सहमति बनी।

राष्ट्रीय लोक अदालत की खास उपलब्धियों में 28 वैवाहिक मामलों का निपटारा भी शामिल रहा। विवाद के कारण अलग-अलग रह रहे दंपतियों के बीच समझौता कराया गया। सुलह के बाद इन परिवारों में फिर से साथ रहने की राह बनी और 28 दंपतियों के घर दोबारा बसाने में सफलता मिली। वैवाहिक विवादों के समाधान को लोक अदालत की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना गया, क्योंकि ऐसे मामलों में आपसी सहमति के माध्यम से विवाद समाप्त होने से परिवारों को लंबी कानूनी प्रक्रिया से राहत मिलती है। बैंकों और वैवाहिक मामलों के अलावा लोक अदालत में अन्य कई श्रेणियों के मामलों का भी निपटारा किया गया। इसमें 319 यातायात मामलों, 271 आपराधिक मामलों, 193 विद्युत मामलों और पांच एनआई एक्ट से जुड़े मामलों का निष्पादन शामिल है। इस तरह राष्ट्रीय लोक अदालत में अलग-अलग प्रकृति के विवादों को एक ही मंच पर सुलह और समझौते के जरिए समाप्त करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय मनीष कुमार शुक्ला, जिला पदाधिकारी साहिला, जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव नेहा दयाल, स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह श्रीनेत तथा विधिक सहायता प्रतिरक्षा प्रणाली के मुख्य अधिवक्ता विनय कुमार सिन्हा समेत अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सोने लाल रजक, मानस कुमार वत्सल, कमल कुमार, अवर न्यायाधीश भोला सिंह और महेश्वर नाथ पांडेय समेत कई न्यायिक पदाधिकारी मौजूद रहे। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सचिन कुमार और दिवाकर राम भी संबंधित बेंचों पर उपस्थित रहे और मामलों की सुनवाई एवं निष्पादन की प्रक्रिया में भाग लिया। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश मनीष कुमार शुक्ला ने राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोक अदालत सुलभ और त्वरित न्याय उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत में किसी एक पक्ष की हार या जीत नहीं होती, बल्कि सुलह के माध्यम से दोनों पक्षों की जीत होती है। आपसी सहमति से विवादों का समाधान होने के कारण पक्षकारों को लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलती है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव नेहा दयाल ने कहा कि लोक अदालत का उद्देश्य आम लोगों को सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के साथ-साथ न्यायालयों में लंबित मामलों के बोझ को कम करना है। उन्होंने कहा कि पक्षकार अपनी सहमति से अपने विवादों का निपटारा लोक अदालत के माध्यम से करा सकते हैं। इससे विवाद का समाधान अपेक्षाकृत सरल और त्वरित तरीके से संभव होता है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में समझौते के बाद दोनों पक्षों को अवार्ड की प्रति उपलब्ध कराई जाती है, जबकि इसकी एक प्रति न्यायालय में सुरक्षित रखी जाती है। इस प्रक्रिया के माध्यम से समझौते के आधार पर मामलों का विधिक रूप से निष्पादन किया जाता है। राष्ट्रीय लोक अदालत में बड़ी संख्या में बैंक संबंधी मामलों के निपटारे से वित्तीय विवादों के समाधान को भी गति मिली।

वहीं यातायात, आपराधिक, विद्युत और एनआई एक्ट से संबंधित मामलों के निष्पादन से विभिन्न श्रेणियों के पक्षकारों को राहत मिली। सबसे महत्वपूर्ण रूप से वैवाहिक विवादों में समझौता होने से अलग रह रहे 28 दंपतियों के बीच फिर से पारिवारिक जीवन शुरू करने का अवसर बना। राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान 10 बेंचों पर मामलों की सुनवाई और निपटारे की प्रक्रिया पूरी की गई। 1607 मामलों का निष्पादन और 9.81 करोड़ रुपये से अधिक की समझौता राशि पर सहमति इस आयोजन की प्रमुख उपलब्धियां रहीं।

लोक अदालत के माध्यम से आपसी सहमति और सुलह के आधार पर विवादों का समाधान कराने की पहल से पक्षकारों को राहत मिलने के साथ न्यायिक प्रक्रिया पर लंबित मामलों के बोझ को कम करने में भी मदद मिली।

पुलिस के हत्थे चढ़ा कुख्यात कप्तान यादव

बक्सर (संवाददाता)। जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने नौ संगीन मामलों में वांछित कुख्यात कप्तान यादव उर्फ विक्रमा यादव को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक अवैध देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, 11 सितंबर की रात एसपी को गुप्त सूचना मिली थी। बताया गया कि वांछित कप्तान यादव नियाजीपुर स्थित अपने घर में अवैध हथियार छिपाकर रखा है। सूचना के आधार पर डुमरांव एसडीपीओ समीर कुमार सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तिलक राय के हाता थाना क्षेत्र के नियाजीपुर स्थित उसके घर की घेराबंदी की। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की गई।

मौके से ही कप्तान यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। घर की तलाशी के दौरान पुलिस को अवैध देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस और एक खोखा मिला। हथियार जब्त कर तिलक राय के हाता थाने में कांड संख्या 75/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस के मुताबिक, कप्तान यादव पुलिस से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। उसके खिलाफ लूट, डकैती, चोरी, आर्म्स एक्ट और मद्यनिषेध अधिनियम के तहत कुल नौ मामले दर्ज हैं। इनमें आठ मामले सिमरी थाना और एक मामला तिलक राय के हाता थाना में दर्ज है। छापेमारी टीम में डुमरांव एसडीपीओ समीर कुमार सिंह, तिलक राय के हाता थानाध्यक्ष पूजा कुमारी, रामदास राय के डेरा थानाध्यक्ष अभिषेक पाण्डेय, प्रपुअनि रविन्द्र कुमार यादव, पीटीसी अभिषेक कुमार के अलावा डीआईयू डुमरांव तथा हाता और डेरा थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

केवल किताबी ज्ञान नहीं, विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास ही लक्ष्य : डीएम साहिला

'मिशन ज्ञानार्जन' के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

बक्सर (संवाददाता)। बच्चों के बेहतर भविष्य और उनके समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन की पहल 'मिशन ज्ञानार्जन' के तहत शनिवार को इटाढ़ी रोड स्थित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय उनके मानसिक, भावनात्मक और व्यक्तिगत विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

कार्यशाला का उद्घाटन जिलाधिकारी साहिला ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का आयोजन जिला शिक्षा कार्यालय की ओर से किया गया, जबकि तकनीकी सहयोग 'वर्ल्डबीइंग इंडिया' की टीम ने प्रदान किया। कार्यशाला में जिले के विभिन्न विद्यालयों में शैक्षणिक नेतृत्व से जुड़े अधिकारियों और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान विशेषज्ञों ने शिक्षकों को बच्चों की मानसिक सेहत और भावनात्मक कल्याण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य विद्यालयों में ऐसा वातावरण तैयार करना रहा, जहां विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक रूप से भी स्वस्थ रह सकें। विशेषज्ञों ने शिक्षकों को विद्यार्थियों में तनाव के कारणों को समझने, तनाव से निपटने और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने के व्यावहारिक तरीकों के बारे में बताया। शिक्षकों को यह समझाने का प्रयास किया गया कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि के साथ उनके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर ध्यान देना भी आवश्यक है। कार्यशाला के दौरान आयोजित इंटरैक्टिव सत्रों में बच्चों की मनोवैज्ञानिक जरूरतों को समझने पर विस्तार से चर्चा हुई। शिक्षकों को विद्यार्थियों की व्यक्तिगत क्षमताओं और उनकी अलग-अलग जरूरतों की पहचान करने के तरीकों से अवगत कराया गया। साथ ही विद्यार्थियों के भीतर सकारात्मक बदलाव लाने और उन्हें बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के विभिन्न पहलुओं पर भी विचार-विमर्श किया गया।

इस दौरान कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी), पीएम श्री और मॉडल स्कूलों में सुरक्षित, सकारात्मक और सहयोगात्मक वातावरण तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि विद्यालय का वातावरण विद्यार्थियों के सीखने और उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए शिक्षकों और विद्यालयी नेतृत्व की जिम्मेदारी है कि बच्चों को ऐसा माहौल मिले, जिसमें वे अपनी बात सहजता से रख सकें और अपनी क्षमताओं का बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

जिलाधिकारी साहिला ने कहा कि 'मिशन ज्ञानार्जन' का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि बच्चों को मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ वातावरण मिलने पर ही वे अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन कर सकते हैं। शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखना नहीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व और क्षमताओं का समग्र विकास करना भी है। कार्यशाला में शिक्षकों के लिए तनाव प्रबंधन और भावनात्मक संतुलन से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक जरूरतों को समय रहते समझने और उनके अनुरूप सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई गई। इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से शिक्षकों को इन विषयों पर विचार करने और अपने विद्यालयों में प्रभावी तरीके अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। 'मिशन ज्ञानार्जन' के तहत आयोजित इस कार्यशाला में विद्यालयों को केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास का महत्वपूर्ण स्थान बनाने की दिशा में विचार-विमर्श किया गया। इसमें शिक्षकों और शैक्षणिक नेतृत्व की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया गया, ताकि बच्चों को सुरक्षित, सकारात्मक और सहयोगात्मक माहौल मिल सके।

रोजगार का बड़ा मौका : टाटा मोटर्स समेत 10 कंपनियां आईटीआई युवाओं का करेंगी चयन

14 सितंबर को आईटीआई परिसर में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिशिप मेला, अहमदाबाद से ग्रेटर नोएडा तक अप्रेंटिशिप के अवसर

बक्सर (संवाददाता)। जिले के आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं के लिए रोजगार और अप्रेंटिशिप का बेहतर अवसर सामने आया है। बिहार सरकार के युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के तत्वावधान में 14 सितंबर को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिशिप मेला आयोजित किया जाएगा। मेला आईटीआई परिसर में लगेगा, जहां देश की नामी कंपनियां युवाओं के चयन की प्रक्रिया में हिस्सा लेंगी।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिशिप मेले में टाटा मोटर्स, आईटीसी, लार्सन एंड टुब्रो, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, सुब्रोस लिमिटेड, एसएलएमजी बेवरेजेज और हायर एप्लायंसेज इंडिया समेत अन्य कंपनियां युवाओं का चयन करेंगी। इन कंपनियों के माध्यम से आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता के अनुरूप अप्रेंटिशिप के अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

मेले में शामिल होने वाले युवाओं के लिए देश के अलग-अलग औद्योगिक क्षेत्रों में अप्रेंटिशिप के अवसर उपलब्ध होंगे। संबंधित कंपनियों में गुजरात के अहमदाबाद, महाराष्ट्र के पुणे, उत्तर प्रदेश के रेनुकूट और ग्रेटर नोएडा, दिल्ली क्षेत्र, हैदराबाद तथा नावानगर में अप्रेंटिशिप के अवसर शामिल हैं। इच्छुक अभ्यर्थी आईटीआई परिसर में आयोजित मेले में पहुंचकर अपनी योग्यता के अनुसार उपलब्ध अवसरों के लिए चयन प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। आईटीआई के प्राचार्य मो. मसूद रशीद ने जिले के इच्छुक अभ्यर्थियों से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिशिप मेले में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि युवाओं को निर्धारित समय पर आईटीआई परिसर पहुंचकर चयन प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों को 14 सितंबर, सोमवार की सुबह 10:30 बजे तक आईटीआई परिसर पहुंचना होगा। चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ आवश्यक शैक्षणिक एवं पहचान संबंधी दस्तावेज लाने होंगे, ताकि चयन के दौरान प्रमाणपत्रों का सत्यापन किया जा सके। अभ्यर्थियों को अपने साथ मैट्रिक और आईटीआई के शैक्षणिक प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बायोडाटा और पासपोर्ट साइज फोटो सहित आवश्यक दस्तावेज लेकर पहुंचने को कहा गया है। दस्तावेजों की उपलब्धता के साथ समय पर पहुंचना अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिशिप मेला आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं को विभिन्न औद्योगिक संस्थानों और कंपनियों के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा। टाटा मोटर्स, आईटीसी, लार्सन एंड टुब्रो, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों की भागीदारी से युवाओं को अपनी तकनीकी योग्यता के अनुरूप अप्रेंटिशिप के विकल्प तलाशने का मौका मिलेगा। बक्सर जिले के आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं के लिए यह मेला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि चयन के अवसर केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अहमदाबाद, पुणे, रेनुकूट, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली क्षेत्र, हैदराबाद और नावानगर जैसे विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में अप्रेंटिशिप के अवसर बताए गए हैं। इससे इच्छुक अभ्यर्थी अपनी योग्यता और उपलब्ध विकल्पों के अनुसार अवसर प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। आईटीआई परिसर में आयोजित होने वाले इस मेले के माध्यम से युवाओं को कंपनियों के चयनकर्ताओं के सामने अपनी योग्यता प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। इसके लिए अभ्यर्थियों को अपने शैक्षणिक प्रमाणपत्र, पहचान पत्र, बायोडाटा और फोटो जैसे आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय से पहले पहुंचना होगा। जिला स्तर पर आयोजित यह रोजगारपरक पहल तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं के लिए महत्वपूर्ण अवसर लेकर आई है। अप्रेंटिशिप के माध्यम से युवाओं को संबंधित औद्योगिक क्षेत्रों में अवसर हासिल करने की संभावना मिलेगी और वे अपनी तकनीकी योग्यता के अनुरूप चयन प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे।

कामरेड सीताराम येचुरी की दूसरी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का हुआ आयोजन

बक्सर (संवाददाता)। कामरेड सीताराम येचुरी की दूसरी पुण्यतिथि के अवसर पर स्थानीय मल्हाह टोली में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सीपीएम नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उनके व्यक्तित्व, विचारों और देश के लोकतांत्रिक एवं प्रगतिशील आंदोलनों में उनके योगदान को याद किया गया।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए सीपीएम के जिला सचिव परमहंस सिंह, सचिन मंडल सदस्य अरुण कुमार ओझा, धीरेंद्र चौधरी, मोतीलाल सिंह, छोटे चौधरी सहित अन्य नेताओं ने कहा कि कामरेड सीताराम येचुरी के अंदर विभिन्न विपक्षी ताकतों को समान लोकतांत्रिक मुद्दों पर एक साथ लाने की बेमिसाल काबिलियत थी। उन्होंने हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और जनहित के सवालों को प्राथमिकता देते हुए व्यापक एकजुटता की राजनीति को मजबूत करने का प्रयास किया।

वक्ताओं ने कहा कि कामरेड येचुरी का निधन ऐसे समय में हुआ, जब देश अपने इतिहास के एक बेहद नाजुक दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में उनका जाना देश के लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष एवं प्रगतिशील आंदोलनों के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा कि येचुरी ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में मेहनतकश जनता, किसानों, युवाओं और समाज के वंचित एवं शोषित तबकों के अधिकारों की आवाज को मजबूती से उठाया। सभा में वक्ताओं ने कहा कि कामरेड सीताराम येचुरी केवल एक राजनीतिक नेता ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और जन आंदोलनों के मजबूत पक्षधर थे। उनके विचारों और संघर्षों ने देश की राजनीति में व्यापक प्रभाव छोड़ा। उन्होंने विभिन्न विचारधाराओं एवं राजनीतिक शक्तियों के बीच संवाद और लोकतांत्रिक एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने कामरेड सीताराम येचुरी के आदर्शों एवं उनकी राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। साथ ही लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष तथा प्रगतिशील शक्तियों को मजबूत बनाने के लिए लगातार संघर्ष करने की प्रतिबद्धता जताई गई। श्रद्धांजलि सभा में यह भी संकल्प लिया गया कि मेहनतकश आवाम, किसानों, युवाओं तथा समाज के अन्य शोषित एवं पीड़ित वर्गों के अधिकारों और उनकी आकांक्षाओं के लिए संघर्ष को और तेज किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में बक्सर के छह शोधार्थियों ने बढ़ाया जिले का गौरव

बक्सर (संवाददाता)। भारत में स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों के पुनरुद्धार, जनजातीय विरासत, सांस्कृतिक निरंतरता और सामाजिक परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में बक्सर जिले के छह शोधार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस अकादमिक मंच पर शोधार्थियों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत करते हुए संबंधित विषयों के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। जिले के शोधार्थियों की इस सहभागिता को बक्सर की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

यह अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारत में स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों का पुनरुद्धार: जनजातीय विरासत, सांस्कृतिक निरंतरता और सामाजिक परिवर्तन' विषय पर 11 एवं 12 सितंबर 2026 को आयोजित की गई। संगोष्ठी का आयोजन जनजाति अध्ययन केंद्र, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, प्रयागराज की ओर से किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हाइब्रिड माध्यम से हुआ, जिसमें ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से शोधार्थियों तथा विषय विशेषज्ञों ने सहभागिता की।

संगोष्ठी में बक्सर जिले से शोधार्थी अविनाश कुमार वर्मा, विशाल कुमार चौधरी, विश्वकर्मा यादव, विश्वकर्मा कुमार, राजू कुमार गुप्ता एवं कुमार निहाल ने शोधार्थी के रूप में सहभागिता की। सभी शोधार्थियों ने संगोष्ठी के केंद्रीय विषय से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने शोध और विचार प्रस्तुत किए तथा अकादमिक विमर्श में योगदान दिया। संगोष्ठी के दौरान शोधार्थी अविनाश कुमार वर्मा का प्रस्तुतीकरण विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने भारतीय स्वदेशी एवं जनजातीय ज्ञान परंपराओं की महत्ता, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और बदलते सामाजिक परिवेश में इन ज्ञान प्रणालियों की प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने प्रस्तुतीकरण में स्वदेशी ज्ञान को केवल अतीत से जुड़ी परंपरा के रूप में देखने के बजाय वर्तमान सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों में उसकी उपयोगिता पर भी विचार रखा।

अविनाश कुमार वर्मा ने कहा कि भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियां केवल अतीत की विरासत नहीं हैं, बल्कि इनमें प्रकृति, समाज, संस्कृति और जीवन-पद्धति से जुड़े अनुभवजन्य ज्ञान का व्यापक भंडार मौजूद है। बदलते सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में भी इस ज्ञान की उपयोगिता बनी हुई है। उन्होंने स्वदेशी ज्ञान परंपराओं को समझने और संरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से जनजातीय समुदायों की पारंपरिक जीवन-पद्धति, प्रकृति के साथ उनके सामंजस्य, लोकज्ञान और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित किया। उनके अनुसार आधुनिक विकास की प्रक्रिया में स्थानीय एवं स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को साथ लेकर चलना जरूरी है। इससे सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ-साथ इन परंपराओं और ज्ञान को आने वाली पीढ़ियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में मदद मिल सकती है।

अविनाश कुमार ने आधुनिक शिक्षा एवं विकास की अवधारणाओं के साथ स्थानीय ज्ञान को जोड़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्थानीय ज्ञान और आधुनिक शिक्षा के बीच बेहतर समन्वय से सांस्कृतिक निरंतरता, सामाजिक समावेशन और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में बक्सर के छह शोधार्थियों की सहभागिता जिले की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रही। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के अकादमिक मंचों पर जिले के शोधार्थियों की भागीदारी से बक्सर की शैक्षणिक पहचान को मजबूती मिलती है। शोधार्थियों ने स्थानीय और व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व वाले विषयों पर अध्ययन एवं शोध के माध्यम से अपनी अकादमिक उपस्थिति दर्ज कराई।

इस सहभागिता से यह भी सामने आया कि बक्सर के युवा शोधकर्ता स्वदेशी ज्ञान, जनजातीय विरासत, सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अध्ययन कर अकादमिक विमर्श का हिस्सा बन रहे हैं। ऐसे मंच शोधार्थियों को अपने अध्ययन और विचारों को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करते हैं। स्वदेशी ज्ञान प्रणालियां, जनजातीय विरासत और सांस्कृतिक परंपराएं वर्तमान समय में महत्वपूर्ण अकादमिक विषयों के रूप में सामने आ रही हैं। इन विषयों पर शोध और विमर्श के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान, सामाजिक संरचनाओं और सांस्कृतिक निरंतरता से जुड़े पहलुओं को समझने का अवसर मिलता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480